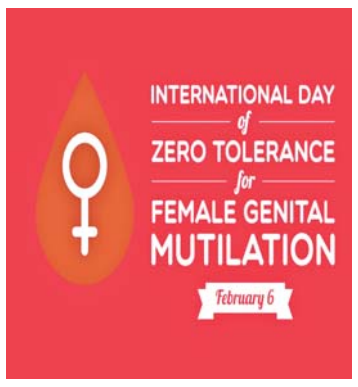

दैनिक
सांध्य प्रकाश

वर्ष 52/ अंक 180/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 6 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सुप्रीम कोर्ट को मिले 5 नए जज, सीजेआई चंद्रचूड़ ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 5 नए जजों की नियुक्ति हो गई है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार सुबह 5 जजों कों सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश के रूप में शपथ दिलाई। सुप्रीम कोर्ट के नए जज के रूप में शपथ लेने वाले तीन चीफ जस्टिस जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस पीवी संजय कुमार हैं। इसके अलावा दो जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम भी शामिल है। पांच जजों की शपथग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अब जजों की संख्या 32 हो गई है।

सांध्यप्रकाश विशेष

अडानी ग्रुप को लेकर एक और खुलासा, क्या एफपीओ वापस लेने की ये थी असली वजह?

अडानी ग्रुप के लिए फिलहाल मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं. हिंडनबर्ग के बाद अब फोर्ब्स ने अडानी ग्रुप के लोकर चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है. फोर्ब्स के अनुसार, अडानी

एंटरप्राइजेज के 2.5 अरब डॉलर (20,000 करोड़) के एफपीओ के तहत जिन तीन निवेश फंडों ने शेयर खरीदे थे उनका संबध अडानी ग्रुप और संदिग्ध अडानी प्रॉक्सी से है. 27 जनवरी 2023 को अडानी ग्रुप ने अपनी फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का एफपीओ जारी किया था और फिर फुल सब्सक्राइब होने के बाद इसे अचानक वापस ले लिया था. अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एफपीओ की वापसी की वजह कंपनी के गिरते शेयरों को बताया था।

क्या तीन फंड ने खरीदे थे शेयर?- फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, दो मॉरीशस बेस्ड फंड, आयुषमत लिमिटेड और एल्म पार्क फंड और भारत बेस्ड एविएटर ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड ने एंकर निवेशकों के लिए उपलब्ध सभी शेयरों में से 9.24 फीसदी खरीदने के लिए सहमत हुए थे. 9.24 फीसदी शेयर का वैल्यूएशन केवल 66 मिलियन डॉलर होता है. अहम बात है ये कि अडानी ग्रुप को इन फर्मों से मदद मिलने के अधिक प्रमाण हैं।

गालीबाज आईएएस जिनका गुस्सा हमेशा सर आंखों पर

सुरेश तिवारी

समाज में सबसे ज्यादा इज्जत आईएएस अधिकारियों की होती है। इसलिए कि इन्हें सुसंस्कृत, समझदार और सकारात्मक सोच वाला माना जाता है। इसके अलावा इनकी सबसे बड़ी खासियत यह भी होती है कि इनकी थाह पाना आसान नहीं होता। इनके चेहरे से गुस्सा और सहजता को कभी भांपा नहीं जा सकता। लेकिन, बिहार के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने इस धारणा को करीब-करीब खंडित कर दिया। बीते चार-पांच दिनों में देशभर में उनके अपशब्दों वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। अफसरों की बैठक में उन्होंने खुले आम अपशब्द कहे, तो बात बाहर आई। लेकिन, जब एक वीडियो सामने आया तो ऐसे कई वीडियो बाहर आ गए। अब उन पर कार्रवाई की बात हो रही है।

बिहार में उनके खिलाफ जिस तरह से आवाजें उठ रही है, ये बात सामने आ गई कि इस सीनियर आईएएस ने ऐसा पहली बार नहीं किया। बल्कि, ऐसा करना उनकी आदत में शुमार था। लेकिन, बताते हैं कि इस बार उनकी मुश्किलें बढ़ गई। उनके कुछ और वीडियो वायरल हुए। इनमें भी वे बैठक में अफसरों को अपशब्द बोलते नजर आ रहे। वे अफसरशाही को लेकर आक्रोश जताते हुए अमर्यादित टिप्पणी भी करते दिखाई और सुनाई दिए। केके पाठक की बात-बात पर अपशब्द बोलने की आदत है।

कहा जा रहा कि वे न सिर्फ बैठक में, बल्कि वे ऑफिस में भी ऐसी ही भाषा इस्तेमाल करते रहते हैं।जिस बैठक का वीडियो सामने आया और बवाल हुआ वो उनकी बैठक की सामान्य आदत रही है। एक अफसर ने गिनकर बताया वे एक मिनट में धाराप्रवाह 22 गालियां तक देते थे। चार दिन पहले आईएएस केके पाठक का अमर्यादित बयान वाला वीडियो जब सामने आया, इसके बाद बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थाने तक पहुंच गए। मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला आने के बाद मुख्य सचिव को वीडियो की जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

केके पाठक मद्य निषेध आबकारी और निबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव सचिव होने के साथ बिहार लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) के डीजी भी हैं। उनका अपशब्दों वाला वीडियो वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में है। सत्ता के गलियारे में इस मामले को लेकर उनकी बहुत ज्यादा आलोचना की जा रही है। क्योंकि, किसी आईएएस के बारे में अभी तक ऐसा कुछ सुना या देखा नहीं गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वायरल वीडियो मामले को चीफ सेक्रेटरी देख रहे है, वीडियो की जांच हो रही है।

हमेशा गुस्से में होने की आदत

अपराधियों के बीच केके पाठक अपने कड़े तेवर के लिए जाने जाते हैं। उनके नाम से अच्छे-अच्छे माफियाओं के पसीने छूट जाते थे। हमेशा अपने नए अंदाज में सुर्खियों में रहने वाले सीनियर आईएएस ऑफिसर को मुख्यमंत्री ने शराबबंदी की यही कमान यही सोचकर सौंपी थी कि इसका अच्छा असर पड़ेगा और वे स्थिति को काबू में कर लेंगे। यहां तक तो ठीक, पर उन्होंने अपने गुस्से का जिस तरह इजहार किया वो उनके गले पड़ गया। 1990 बैच के सीनियर आईएएस केशव कुमार पाठक जिन्हें लोग केके पाठक से नाम से जानते हैं। वे मूलरूप से यूपी के रहने वाले है। लेकिन, 2015 में जब महागठबंधन सरकार सत्ता में आई थी तो ये दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर थे। उस वक्त उनकी वापसी बिहार में कराई गई। तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता खासतौर पर महिलाओं से शराबबंदी का वादा कर रखा था।

लालू यादव ने उन्हें हटाकर अपना फैसला बदला

केके पाठक सिर्फ अपशब्दों तक ही सीमित नहीं हैं। उनकी काम करने की शैली भी अजीब है। एक बार तो लालू यादव को भी उनका ट्रांसफर करना पड़ा था। बात उस दौर की है, जब राजद के मुखिया लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। उस वक्त केके पाठक गोपालगंज के कलेक्टर थे। उस दौर में पाठक ने जिले में जो जलवा दिखाया, उसके बाद लालू यादव को पता चल गया था कि उन्होंने गलत दांव खेल दिया। कभी लालू यादव के नजदीक रहे पाठक की कार्यशैली से इतने परेशान हो गए कि अंत में लालू को उनका ट्रांसफर कर सचिवालय बुलाना पड़ गया था। नीतीश कुमार ने जब केके पाठक को मद्य निषेध विभाग में बुलाया तो भी राजनीति शुरू हो गई थी। विपक्ष ने भी इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी।

एक ठेकेदार को ऑफिस में पीटा और धमकाया

बिहार के सीनियर आईएएस अधिकारी केके पाठक की गिनती एक कड़क अधिकारी के रुप में होती रही है। लेकिन, वह अपनी छवि के अनुरूप कई बार विवादों में घिर गए। जब वे बिहार सरकार में लघु सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव थे तब भी उनके खिलाफ सचिवालय में एफआईआर दर्ज की गई थी। आईएएस अफसर पर एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कुमुद राज सिंह की लाठी से पिटाई करने और रिवाल्वर तानकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा था। बताया गया कि केके पाठक ने कुमुद राज सिंह को विभाग के एक कार्यपालक अभियंता ने फोन करके प्रमुख सचिव के चैंबर में आने को कहा था। उसके बाद वे अपने सहयोगियों से साथ प्रधान सचिव के कक्ष में पहुंचे। ठेकेदार के अनुसार केके पाठक ने उनसे नालंदा के रहुई में उनके द्वारा किए गए काम के क्षतिग्रस्त होने को लेकर सवाल पूछा। जिस पर ठेकेदार ने जवाब दिया कि भारी बारिश के कारण कुछ क्षति पहुंची है, जिसे वे ठीक करा देंगे। ठेकेदार से इतना सुनते ही केके पाठक गुस्से से तिलमिला गए और गालियां देना शुरू कर दी। प्रधान सचिव ने अपने अंगरक्षक से डंडा लेकर मेरी पिटाई की और फिर अंगरक्षक की रिवाल्वर लेकर मेरे कनपटी पर सटा दी। ठेकेदार ने बताया कि केके पाठक उन्हें गोली मारने की धमकी दी। फिर ठेकेदार वहां से जान बचाकर भागे। ठेकेदार ने दावा किया है कि घटना के वक्त सचिवालय में काफी लोग थे, जिन्होंने सब कुछ देखा है। प्रमुख सचिव के कार्यालय के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में इसकी फुटेज भी देखी गई थी।

भूकंप से तुर्की-सीरिया में शहर-शहर तबाही

अब तक 560 मौतें

इजराइल में भी हलचल

मस्जिदों की शरण में लोग

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूकंप की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि तुर्किए में भूकंप के कारण जनहानि और संपत्ति के नुकसान से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायल जल्द स्वस्थ हों। भारत तुर्किए के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस त्रासदी से निपटने के लिए हर संभव सहायता देने को तैयार है।

अंकारा। तुर्किए और पड़ोसी देशों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। नूर्दगी से 23 किलोमीटर पूर्व की ओर यह झटके महसूस किए गए। इसका असर सीरिया तक देखने को मिला। जानकारी के मुताबिक, भूकंप की वजह से कई इमारतें धराशायी हो गई हैं। तुर्किए में अब तक 53 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, सीरिया में जान गंवाने वालों को आंकड़ा 90 तक पहुंच गया है। 500 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं।

तुर्किये (पुराना नाम तुर्की) में सोमवार सुबह भूकंप के 3 बड़े झटकों से भारी तबाही हुई। पहले भूकंप की तीव्रता 7.8 तीव्रता थी। इससे सबसे ज्यादा नुकसान अंकारा, नूरदगी शहर समेत 10 शहरों में हुआ। तुर्किये के कुछ सेकेंड बाद सीरिया, लेबनान और इजराइल में भी भूकंप आया।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तुर्किये में अब तक 76 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। 440 लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं, सीरिया में 237 लोग मारे गए और 639 जख्मी हैं। इस तरह अब तक इन दो देशों में मरने वालों की संख्या 313 हो गई है। दोनों देशों में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती हैं, क्योंकि अभी भी कई लोग मलबे के नीचे दबे हैं। हालांकि, लेबनान और इजराइल से फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (स्वस्) के मुताबिक, पहले भूकंप का केंद्र तुर्किये के कहरामनमारस प्रांत के गाजियाटेप शहर से 30 किलोमीटर दूर और जमीन से करीब 24 किलोमीटर नीचे था। लोकल समय के मुताबिक, ये भूकंप सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर आया।

बेंगलुरु में इंडिया एनर्जी वीक 2023 का शुभारंभ

एनर्जी के सपने जल्द पूरे होंगे: प्रधानमंत्री

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बेंगलुरु में इंडिया एनर्जी वीक 2023 का शुभारंभ किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने इंडियन ऑयल द्वारा विकसित सोलर कुकिंग सिस्टम के ट्विन-कुकटॉप मॉडल का अनावरण किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने बताया कि किस तरह देश में एनर्जी की जरूरत बढ़ रही है और इसकी पूर्ति के लिए सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए हैं। पीएम ने कहा, देश की एनर्जी के सपने बड़े हैं जो जल्द पूरे होंगे।

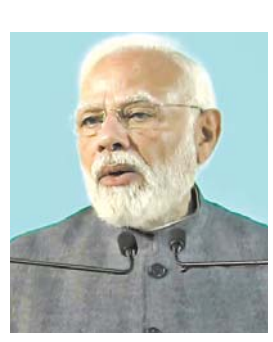

पीएम मोदी ने कहा, बेंगलुरु टेक्नोलॉजी, टैलेंट और इनोवेशन के एनर्जी से भरा एक शहर है। मेरी तरह आप भी यहां के युवा ऊर्जा को अनुभव कर रहे होंगे। ये भारत की जी-20 प्रेसिडेंसी कैलेंडर का पहला बड़ा एनर्जी इवेंट है। इस समय तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप पर हम सभी की दृष्टि लगी हुई है। बहुत से लोगों की दुखद मृत्यु और बहुत नुकसान की खबरें हैं। भारत के 140 करोड़ लोगों की संवेदनाएं, भूकंप पीड़ितों के साथ हैं। हम भूकंप पीड़ितों की हर संभव मदद के लिए तत्पर हैं।

कांग्रेस झूठ बोलती है, सच उजागर करना हमारी ड्यूटी: शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल में एचडीएफसी बैंक की बीसवीं शाखा का शुभारंभ किया।

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 2018 में कई झूठे वादे करके जितने समझ में आए सब वचन पत्र में लिख दिए गए और जिन वादों को पूरा करने का वचन देकर सत्ता में आए, उनमें से कोई पूरा नहीं किया। यही सच मैं, जनता के सामने उजागर करना चाहता हूं कि कांग्रेस झूठ बोलती है, कमलनाथ झूठ बोलते हैं। जो कहते हैं वो कभी नहीं करते। इसलिए उन्होंने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। वो इधर - उधर की बातें करके सवालों से बचते हैं। लेकिन जनता के बीच में सच उजागर करना हमारी ड्यूटी है।

इसलिए 2018 के वचन पत्र में कमलनाथ जी आपने लिखवाया था आर्थिक कृषि यंत्र जिनकी लागत 2 लाख रुपए तक है उस पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। सवा साल में आपने कितना अनुदान दिया ये तो बता दो? एक धेला नहीं दिया, अनुदान देने की तो दूर की बात है कई योजनाओं के अनुदान बंद कर दिए। मुझे पता है कि वो फिर से ट्वीटर की चिड़िया उड़ाएंगे। हालाकी उनके नेता ही आजकल उनके हाथ के तोते उड़ा रहे हैं। हाथ जोड़ते हुए तो कहीं दिख नहीं रहे है लेकिन आपस में जरूर युद्ध शुरू हो गया है।

आज से शुरू हुई आरबीआई की बैठक, 0.25 प्रतिशत ब्याज दर बढ़ाने का हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी बैठक आज, यानी 6 फरवरी से शुरू हो चुकी है जो 8 फरवरी तक चलेगी। जानकारों के अनुसार आरबीआई की मीटिंग में रेपो रेट में बढ़ोतरी का ऐलान हो सकता है। उम्मीद है कि आरबीआई रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत तक का इजाफा कर सकता है। फिलहाल रेपो रेट 6.25 प्रतिशत है।

मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली बैठक अप्रैल में हुई थी। तब आरबीआई ने रेपो रेट को 4 प्रतिशत पर स्थिर रखा था। लेकिन आरबीआई ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी बैठक बुलाकर रेपो रेट को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था।

अदाणी मामले को लेकर विपक्ष का जोरदार हंगामा

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप पर जांच की मांग को लेकर सोमवार को संसद से सड़क तक हंगामा हो रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने अडाणी मामले में चर्चा की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। दोनों सदनों के स्पीकर्स ने सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

बजट पेश होने के बाद से अब तक संसद में एक भी दिन चर्चा नहीं हो पाई है। गौतम अदाणी मामले को लेकर विपक्षी दल लगातार संसद के दोनों सदनों में हंगामा कर रहे हैं और इस मामले पर संसदीय कमेटी

बनाने की मांग कर रहे हैं, उधर सत्ता पक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की मांग कर रहा है। आज भी हंगामे के बाद लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया है। उधर, कांग्रेस ने आज देश भर में एलआईसी कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज विपक्षी नेताओं के साथ बैठक की। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा- पूरा विपक्ष एक साथ आएगा, चर्चा होगी और फैसला होगा। ये सिर्फ कांग्रेस मुद्दा नहीं है, बल्कि भारत के आम लोगों का मुद्दा है।

कांग्रेस का देश भर में प्रदर्शन

कांग्रेस का देश भर में एलआईसी और एसबीआई दफ्तरों के सामने प्रदर्शन शुरू

हो गया है। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार आम लोगों के पैसे का इस्तेमाल अपने दोस्तों की मदद के लिए कर रही है। विपक्ष की मांग है कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होने दे।भोपाल में भी कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अडाणी मामले की जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

बाजार खुलते ही अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 5 प्रतिशत गिरे

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में भी लगातार गिरावट देखी जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 12 दिन में करीब 60 प्रतिशत टूट चुके हैं।

तीसरी बार टला मेयर का चुनाव, हंगामे की भेंट चढ़ी सदन की कार्यवाही

नई दिल्ली। डीएमसी अधिनियम 1957 के अनुसार, महापौर और उप महापौर का चुनाव निकाय चुनावों के बाद होने वाले पहले सदन में होता है। बहरहाल, नगर निकाय चुनाव हुए दो महीने हो चुके हैं और दिल्ली को अभी मेयर मिलना बाकी है।

पीठासीन अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों को वोट नहीं करना है वह सदन से बाहर जाएं, इसके बाद से हंगामा तेज हो गया है। आप पार्षद लगातार वापस जाओ, वापस जाओ के नारे लगा रहे हैं। बढ़ते हंगामे के चलते पीठासीन अधिकारी ने सदन को अगली तिथि के लिए स्थगित कर दिया और इस तरह आज भी मेयर का चुनाव नहीं हो पाया।

27वें महावीर पुरस्कारों के नामांकन आमंत्रित

चेन्नई। भगवान महावीर फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा सामाजिक क्षेत्र में मानवीय सेवा के उत्कृष्ट कार्य हेतु 27वें महावीर पुरस्कार का नामांकन आमंत्रित किया गया है। इस पुरस्कार के तहत 1- अहिंसा और शाकाहार के प्रचार 2- शिक्षा, 3- चिकित्सा और 4- सामुदायिक और सामाजिक सेवा के क्षेत्र को शामिल किया गया है। भगवान महावीर फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी, श्री एन सुगलचंद जैन के अनुसार, पुरस्कार चार श्रेणियों में दिया जाता है. प्रत्येक पुरस्कार मे 10 लाख रुपये की नकद धनराशि, एक प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिन्ह दिया जाता है।

भगवान महावीर फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी एन सुगलचंद जैन ने संस्था का परिचय देते हुए बताया कि फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 1994 में की गई थी । देश के सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ताओं / संस्थाओं को पुरस्कृत कर सम्मानित करने हेतु अब तक राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कुल 84 पुरस्कार प्रदान किए जा चुके हैं। हाल ही में 11 जनवरी 2023 को आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से 26वें महावीर पुरस्कार के 4 विजेताओं के नामों की घोषणा की गई है। और, इस प्रकार 23 राज्य और 1 केंद्र शासित राज्य को मिलाकर कुल पुरस्कारों की संख्या 88 हो जाएगी।

नामांकन की प्रक्रिया बताते हुए भगवान महावीर फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी एस. प्रसन्नचंद जैन ने कहा कि आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकता है। श्री एस. प्रसन्नचंद जैन के अनुसार, नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। अंतिम तिथि के बाद कोई भी नामांकन स्वीकार नहीं किया जाएगा और आवेदन पत्र में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार आवेदन पत्र भरा जाना चाहिए। कोई भी अधूरा नामांकन नहीं स्वीकार किया जाएगा।

संत रविदास ने समाज को जाति पाति से ऊपर उठने प्रेरित किया: राज्यपाल

पृथ्वीपुर में संत रविदास जयंती समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल आज दोपहर निवाड़ी जिले के प्रवास के दौरान शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पृथ्वीपुर में संत रविदास जयंती समारोह में शामिल हुये। राज्यपाल पटेल ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर संत रविदास के चित्र पर माल्यापर्ण किया। कन्या-पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राज्यपाल पटेल ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ने समाज को जाति-पांति से ऊपर उठने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने जो कार्य किये वे अविस्मरणीय हैं। उनको याद करना समाज और मानव के लिये आवश्यक है। उन्होंने सच्चे भाव से सत्य के मार्ग पर चल कर नये समाज की राह बतायी। उन्होंने समाज में ऊँच-नीच का भेद मिटाया। राज्यपाल ने कहा कि महापुरूषों के जीवन चरित्र से जो प्रेरणा मिलती है वह एक दिन के लिये नहीं बल्कि पूरे जीवन के लिये है। उन्होंने कहा कि समाज में जो भी अच्छे कार्य करें उसे आवश्यक रूप से सम्मान दें तथा समाज में कमजोर वर्ग के लोगों के प्रति संवेदनशील रहें।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समाज उत्थान के काम में लगे हुए हैं। सबसे पहले गुजरात के सीएम रहते उन्होंने बेटी बचाओ और महिला सशक्तिकरण का अभियान प्रारम्भ किया था। उन्होंने कहा कि आत्म-निर्भर भारत के लिए केन्द्र और राज्य की सरकारों ने अनेकों योजनाएँ चलाई हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों का आहवान किया कि वे खूब पढ़े-लिखें और आगे बढ़ें तथा अपना और अपने परिवार तथा समाज का नाम रोशन करें। जहाँ भी रहे अपने माता-पिता को न भूलें। राज्यपाल श्री पटेल ने लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं में हितलाभ वितरित किये।

विधायक डॉ. शिशुपाल सिंह यादव ने पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में किये जा रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। उपाध्यक्ष म.प्र. राज्य पशुधन एवं कुक्कट विकास निगम श्री नंदराम कुशवाहा ने आभार माना।

संत रविदास जयंती पर समाज के वरिष्ठजनों के पैर धुलाकर किया सम्मान

संत शिरोमणि रविदास सर्व समाज के प्रेरक: कुकरेजा

संत हिरदाराम नगर। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर गुरु नानक मंडल अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष संदीप कल्याणे के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर समाज के विभिन्न जाति पंथो के वरिष्ठजनों का मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, महेश मकवाना और संदीप कल्याणे सहित साथियों ने पैर धूलाकर, गमछा पहनाकर और संत रविदास का चित्र देकर, पुष्प वर्षा के बीच सम्मान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने संत रविदास के जीवन चरित्र से सभी को प्रेरणा लेने का आव्हान किया। उपाध्यक्ष भगवानदास ढालिया ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन किया। इस अवसर पर विष्णु राजपूत, राजा शर्मा, नरेंद्र सिंह ठाकुर, अतुल घेंघट, सुकांति ठाकुरिया,अजय प्रजापति, मुकेश सोलंकी, सुकांती ठाकुरिया, राजकुमारी डागोर आदि उपस्थित थे।

एक दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण पूजन अर्चन अभिषेक का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। सर्व ब्राहमण साधु संत गौ रक्षा उत्थान समिति के तत्वाधान में एक दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण पूजन अर्चन अभिषेक का आयोजन रविवार को हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं ने पहुंचकर अभिषेक व पूजा अर्चना की। अलग-अलग समूह बनाकर भगवान का जल, दूध, दही, शहद और शक्कर से अभिषेक किया गया। उसके बाद उनकी विधि विधान से पूजा की गई। सुबह गणेश पूजा और 9 बजे 12 बजे तक मण्डप पूजन, दोपहर 2 बजे से अर्चन 4 बजे तक और 4 बजे से 5:30 बजे तक हवन किया गया। शाम को महाआरती और प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर पंडित रघुवीर प्रसाद, मनोज वर्मा, आचार्य प्रदीप शास्त्री सहित कई लोग उपस्थित थे।

दो सूत्रीय मांगों के लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी काली पट्टी बांधकर करेंगे कार्य

भोपाल । म.प्र.संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी ने दो सूत्रीय मांगों के लेकर(1- नियमितीकरण/5जून18 संविदा नीति के आदेश, 2- सपोर्ट स्टाफ के साथ निष्कासितों कि विभाग मे बहाली) 15 दिसंबर से अनिश्चित कालीन हडताल का आगाज़ किया था जिसमे स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा गई थी,शासन /प्रशासन से कई चरणों के संवाद उपरांत विभाग द्वारा 3 जनवरी को एक माह में मांगें पूरी करने के आदेश जारी करने पर सहमति बनी थी और कर्मचारियों द्वारा विभाग को एक माह का अवसर देकर हडताल को स्थगित किया था किन्तु खेद का विषय है कि शासन/प्रशासन और विभाग का यह वादा/दावा खोखला साबित हुआ और आज तक संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए कोई आदेश जारी नहीं हुआ जिससे कर्मचारियों में भयंकर रोष है, भोपाल मे सभी संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने पुरानी संगठन कि कार्यकारिणी को बर्खास्त/दरकिनार करते हुए नई कार्यकारिणी सर्वसम्मति से बनाई जिसमे विजय ठक्कर को प्रदेशाध्यक्ष घोषित किया गया। नई कार्यकारिणी अपनी पूरी निष्ठा , ईमानदारी और स्पष्ट नीति रीति से कार्य करने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की गई और दिनांक 6-2-2023 से सभी कर्मचारियों को विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर कार्य करने व विभाग/ शासन /प्रशासन को 15 दिवस के अंदर आदेश नहीं होने पर पुन: अनिश्चितकालीन आंदोलन मे जाने की अधिसूचना संघ द्वारा जारी किया गया। सभी कर्मचारी साथियों से आग्रह है कि शासन/ प्रशासन के उदासीन रवैये के खिलाफ कल से काली पट्टी बांधकर अपना कार्य करेंगे।

विकास यात्रा में ग्रामवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी: संभागायुक्त

भोपाल । संभागायुक्त मालसिंह भयड़िया ने सीहोर जिले के आष्टा जनपद के ग्राम जीवापुर में विकास यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। भयड़िया ने ग्रामवासियों को प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्होंने कहा कि सभी लोग शासन की हितग्राहियों का लाभ ले। विकास यात्रा कार्यक्रम में आष्टा विधायक रघुनाथ सिंह मालवीय ने ग्राम पंचायत के विकास एवं निर्माण कार्यों का शिलान्यास तथा लोकार्पण किया

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 8 हजार से अधिक लोगों की जांच की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बैरसिया विधानसभा में विकास यात्रा के शुभारंभ अवसर पर बैरसिया में संत रविदास जयंती के उपलक्ष्य में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बैरसिया विधायक विष्णु खत्री द्वारा विकास यात्रा और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत पात्र हितग्राही को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

विधायक विष्णु खत्री ने बताया कि चिरायु मेडिकल कॉलेज के लगभग 200 से अधिक चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा बैरसिया के 8 हजार से अधिक नागरिकों का कैम्प लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस कैम्प में जेपी अस्पताल के डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा स्वास्थ्य कार्ड भी बनाए गए और दिव्यांगजनों के कृत्रिम अंगों का माप भी शिविर में लिया गया। शिविर में 650 दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए जिसमें से 40 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं ट्रायसाईकिल प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य शिविर में 50 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

विधायक खत्री ने कहा कि विकास यात्रा में विधानसभा क्षेत्र के सभी ग्रामों और कस्बों में पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो पात्र हितग्राही लाभ से वंचित हैं उन्हें भी विकास यात्रा में शामिल कर लाभ दिया जाएगा। श्री खत्री ने कहा आओ कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अनेकों विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों, महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्री विष्णु खत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना लागू की है जिसमें प्रत्येक बहनों को एक हजार रूपए प्रतिमाह दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में लगभग एक करोड़ महिलाएं को लाभ मिलेगा। श्री विष्णु खत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान कार्ड, संबल योजना, मुख्यमंत्री कन्या योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्न योजना, किसान हितग्राही योजना जैसे अनेकों-अनेक योजनाओं का लाभ नागरिकों दिया जा रहा है। विकास यात्रा में रोजगार एवं स्किल डेवलपमेंट बोर्ड अध्यक्ष शैलेष शर्मा, चिरायु मेडिकल कॉलेज सीएमडी डॉ. अजय गोयनका, बैरसिया एसडीएम आदित्य जैन, जनपद पंचायत सीईओ दिलीप जैन, तहसीलदार संतोष मुदगल, नायाब तहसीलदार सुनील शर्मा, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, नागरिकगण उपस्थित थे।

रविदास मंदिर बरखेड़ा में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संत रविदास सेवा संस्थान एवं श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ मध्य प्रदेश के तत्वधान में रविवार 5 फरवरी 2023 को प्रात:11 बजे से स्थान प्राचीन संत रविदास मंदिर बरखेड़ा भेल पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दर्जा एवं क्षेत्रिय विधायक कृष्णा गौर एवं नगर निगम अध्यक्ष किशन सिंह सूर्यवंशी एवं कलेक्टर अभिनाश लवानिया एवं नगर निगम

आयुक्त के विशेष आतिथ्य में मुख्य मंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत 14 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया । इस अवसर पर बरखेड़ा विजय मार्केट राधा कृष्ण मंदिर से सभी दूल्हे बैंड बग्गी घोड़े पे सवार होकर बारात के रूप में नेहरू मार्केट , बजरंग मार्केट से रविदास मंदिर बारात पहुंची ततपश्चात वर वधु की वरमाला की गई इसके बाद पाणी ग्रहण संस्कार भाभर परिक्रमा की गई । इसके पूर्व प्रात:काल से संत जी की पूजा, हवन व आरती की गई । आयोजन में केंद्र एवं राज्य शासन की रोजगार मूलक योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा स्व रोजगार मेला में मार्गदर्शन किया गया साथ ही निशुल्क चिकित्सा शिविर जिसमे जॉच एवं दवाईयां वितरण की गई ।सम्मेलन में शामिल वर वधुओ को सामाजिक न्याय विभाग एवं नगर निगम भोपाल द्वारा नियम अनुसार उपहार सामग्री वितरण की गई। एवं बुंदेलखंड के कलाकारो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार के द्वारा अतीथियो का स्वागत किया गया एवं संस्थान के जिला अध्यक्ष के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बर्राई का नाम बदल संत रविदास नगर किया: विकास यात्रा के दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने बर्राई में संत रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। विधायक ने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद लिया एवं बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिक बंधुओ को संत रविदास जी की जन्मजयंती की बधाई दी। विधायक ने स्थानीय नागरिकों की माँग पर बर्राई बस्ती का नाम संत रविदास नगरकरने की घोषणा की। विधायक की घोषणा पर नागरिको तालियाँ बजाकर इस निर्णय का स्वागत किया एवं विधायक अभिवादन किया।

विकास यात्रा में विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधायक निधि से निर्मित संत रविदास मंदिर प्रांगण में सामुदायिक भवन का लोकार्पण विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया। इस दौरान श्री शर्मा ने संत रविदास जी की आरती उतार कर उनका आशीर्वाद लिया।

विधायक ने स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विकास यात्रा मैं बावड़िया कला आई विधायक कृष्णा गौर जी ने डीके कॉटेज के बाहर 25लाख लागत की संजीवनी क्लीनिक के भूमि पूजन के साथ अधिष्ठान रोड पर स्मार्ट स्ट्रीट लाइट (31 लाख लागत) का भी भूमि पूजन किया द्य डीके कॉटेज के अध्यक्ष डॉ तरुण सिंह चौहान ने बताया की विधायक कृष्णा गौर जी ने डीके कॉटेज जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित पौधारोपण एवं स्वच्छता रैली में बच्चों को माला पहनाकर हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता रैली को रवाना किया।

विधायक जी ने अशोक के पौधे रोपे उनके साथ पार्षद वार्ड 52 शीला पाटीदार और मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र परिहार तथा पूर्व पार्षद राम बाबू पाटीदार एवं अनेक बावड़िया कला वासी सम्मिलित हुए यह रैली स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 मैं भोपाल को नंबर वन बनाने एवं लोगों में गीला कचरा एवं सूखा कचरा अलग अलग करने की प्रेरणा देने के लिए आयोजित की गई थी विधायक कृष्णा गौर जी ने भूमि पूजन के साथ ही बावड़िया कला की कालोनियों में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को सभा में ही निर्देशित किया साथ ही ओपन जिम एवं रोड की भी सौगात देकर गई इस अवसर पर विधायक कृष्णा गौर जी ने नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया और सभी नागरिकों को अपने घर में प्लास्टिक की थैली का उपयोग बंद करने सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग समाप्त करने का भारत माता की जय घोष के साथ आवाहन किया।

देवास जिला जेल में सुर शंकरा ग्रुप ने दी प्रस्तुति

भोपाल! सुर शंकरा म्यूज़िकल ग्रुप की 111वीं प्रस्तुति जिला जेल देवास में सिंगर आयशा खान, रीता बोथे एवं प्रतिभा अग्रवाल द्वारा गाये सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गीत से जेल अधीक्षक हिमानी मनवारे सिंह एवं उप जेल अधीक्षक अनिल दुबे सहित कर्मचारी एवं बंदी भाई-बहनों की उपस्थिति में प्रारम्भ होकर मैं से मीना से न साकी से समापन गीत के साथ सम्पन्न हुई। ग्रुप के कार्य.अध्यक्ष/मैनेजर/सिंगर इंजी. प्रतीक गर्ग एवं प्रेरणास्रोत/सिंगर निहारिका गर्ग ने बताया कि इस ग्रुप का उद्देश्य कभी भी आर्थिक लाभ प्राप्त करना नहीं रहा है बल्कि संगीत के माध्यम से अवसाद से दूर रहना एवं आपस में सौहार्द्र का स्वच्छ वातावरण निर्मित करना रहा है। ग्रुप की सम्भागीय अध्यक्ष/सिंगर आयशा खान ने जेल प्रशासन के उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, बंदी भाई-बहनों को अपनी मनमोहक आवाज़ की ऐंकरिंग से बांधे रखा वहीं दूसरी ओर जेल अधीक्षक हिमानी मनवारे सिंह ने सुरेश गर्ग के साथ तेरे मेरे होठों के मीठे मीठे, जेलर अनिल दुबे ने दिल क्या करे ज़ब किसी, सिंगर आयशा खान एवं सुरेश गर्ग ने जीता था जिसके लिये जिसके लिये मरता हूं।

अनुशासन और विनम्रता विद्यार्थी का आभूषण : सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल की कक्षा सातवीं के छात्रों हेतु अभिप्रेरक सत्र का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य छात्रों में मानवीय मूल्यों को रोपित करना एवं करूणा निदान ईश्वर के प्रति आस्तिक भावों को जीवन में आत्मसात करने हेतु अभिप्रेरित करने का रहा। इस अवसर पर श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने छात्रों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि अनुशासन एवं विनम्रशीलता किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का आकर्षक आभूषण है अत: इस किशोरावस्था में क्रोध से दूरी बनाते हुए प्रत्येक छात्र को शालीन एवं सौम्य गुणों को अपने भीतर बनाए रखने का सतत् प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने प्रभावशाली पंक्ति %%न किसी को तू सता, न किसी की आह ले, हो सके तो कर भला, वरना अपनी राह ले%% के माध्यम से छात्रों में कल्याणकारी भावना को अपने भीतर सिंचित करने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि मानव जीवन परहित हेतु जन्मा है। इसी क्रम में उन्होंने एक स्वस्थ जीवन जीने के नियमों पर प्रकाश डालते हुए पौष्टिक आहार, संतुलित दिनचर्या अपनाने एवं वार्षिक परीक्षा की तैयारी को गंभीरता से लेने हेतु कहा। आपने कहा कि माँ को अपना 'बेस्ट-फ्रेंड' मानकर अपनी दिनचर्या उनके साथ साझा करें तथा उनकी आज्ञा को सर्वोपरि स्थान दें क्योंकि माता-पिता सदैव बच्चों के हित-अहित का ध्यान रखते हुए ही उनकी जरूरतों के अनुसार उनकी इच्छाओं की पूर्ति करते हैं।

इस अवसर पर श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने छात्रों को अभिप्रेरित करते हुए प्रणाम करने की विशिष्ट पंचांग शैली का परिचय दिया तथा इस पंचम भाव शैली के मनोवैज्ञानिक, वैज्ञानिक महत्त्व एवं प्रभाव से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने पंचांग शैली की पद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों हाथों से बड़ों के चरणों को स्पर्श करना, घुटनों के बल बैठकर चरणों में झुकना, माथे को बड़ो के चरणों में लगाना, साष्टांग अर्थात संपूर्ण शरीर को झुकाकर चरण वंदन कर हम माता-पिता एवं वृद्धजनों का आशीष प्राप्त करें। श्रद्धेय भाऊजी ने आरती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को संबोधित किया कि संध्या आरती परिवार के सभी सदस्यों में धीरज भर कर उन्हें दु:खों एवं दुर्घटनाओं से बचाकर परिवार में सकारात्मक ऊर्जा द्वारा प्रत्येक सदस्य को प्रफुल्लित मन प्रदान करती है। परिवार रूपी स्तम्भ को मजबूत करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक सदस्य ईश्वर की उस सर्वोच्च सत्ता के प्रति आस्तिक

होकर संध्या आरती सामूहिक रूप से करें ताकि परिवार में आत्मीयता का भाव सुदृढ़ हो सके, साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को परामर्श दिया कि वे संध्या आरती के समय जाने-अनजाने में हुई दिन भर की गलतियों के लिए करबद्ध होकर ईश्वर से क्षमा याचना अवश्य करें तथा अपने दिन की शुरूआत निरीह मूक पशु-पक्षियों को दाना-पानी देने से करें क्योंकि हमारी तरह वे स्वयं दाने-पानी की व्यवस्था करने में समर्थ नहीं हैं। अपने आशीर्वचनों के इसी क्रम में श्रद्धेय भाऊ जी ने राष्ट्र निर्माण के आधार स्तंभ अटल बिहारी बाजपेयी, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एवं वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को इन महाविभूतियों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है कि विषम परिस्थितियां भी आपके दृढ़-संकल्प, लगन एवं परिश्रम के आगे नतमस्तक होकर सफलता के शिखर तक पहुंचाने में स्वयं आपकी सहायक भूमिका के रूप में मुखरित होती हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्या श्रीमती आशा चंगलानी ने छात्रों को संबोधित करते हुए अनुशासन पर आधारित रोचक लघुकथा के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन एवं शिष्टाचार के गुणों को रोपित करने का सार्थक प्रयास किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थियों को अपने नियमित पशु-पक्षियों को दाना पानी देना, ईश्वर की पूजा करना, बड़ों की आज्ञा मानकर उनके चरण स्पर्श करना तथा अंकुरित अनाज का सेवन करना आदि जैसी अच्छी आदतें डालनी चाहिये।

इस श्रृंखला में मिनी नायर (कोआर्डिनेटर) ने अपने उद्बोधन में कहा कि ईश्वर के प्रति हमेशा आस्थावान रहें, स्वयं और ईश्वर के संबंध को मजबूत बनाने के लिए नियमित रूप से संध्या आरती करें। संध्या के समय अपने सभी विशेष कार्यों को छोड़ कर परिवार के सदस्यों के साथ आरती-पूजन का हिस्सा बनकर उस परमसत्ता के प्रति नतमस्तक रहें तथा माता-पिता एवं घर के बड़े-बुजुर्गों का सम्मान कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

इस अवसर पर कक्षा सातवीं के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने सक्रिय होकर सहभागिता की ओर बताए गए मूल्यों को दोहराया और उनको अपनाने का वादा किया। कार्यक्रम के अंत में भाऊजी ने छात्रों को आशीर्वाद स्वरूप में पेन भेंट की। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय शिक्षिका कामिनी सोनी एवं आभार ज्ञापन छात्र सौभाग्य गंगारामानी द्वारा किया गया।

जनता की जिन्दगी बदलने का अभियान है विकास यात्रा : शिवराज सिंह चौहान

- जन सेवा अभियान में 3 लाख 77 हजार हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र वितरण

- 397 करोड़ 63 लाख रूपये के 125 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में संत रविदास जयंती से शुरू हुई विकास यात्रा जनता की जिन्दगी को बदलने का अभियान है। संत रविदास अद्भुत संत थे। उनकी पंक्तियां- ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न, छोटे-बड़ों सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न पर केन्द्र और हमारी सरकार कार्य कर रही है। हमारा संकल्प गरीबों का कल्याण है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में गाँव-गाँव और वार्डों में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान चला कर ऐसे परिवारों को चिन्हित किया गया, जो शासकीय योजना का लाभ लेने से वंचित थे। अभियान में 83 लाख पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें स्वीकृति-पत्र वितरण का कार्य किया जा रहा है। आज चंबल संभाग के 3 लाख 77 हजार नये हितग्राहियों को 38 विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति-पत्र वितरित किये गये है। इन सभी हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जायेगा। विकास यात्रा के दौरान भी शेष रहे पात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ने की अहम कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने इस अवसर पर भिण्ड जिले के 397 करोड 63 लाख रूपये के 125 विकास कार्यो का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने विकास यात्रा के गीत का भी अनावरण किया। मुख्यमंत्री चौहान भिण्ड जिले में विकास यात्रा की शुरूआत, मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में स्वीकृति-पत्र वितरण और विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विकास यात्रा के रथों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

कार्यक्रम की शुरूआत कन्या-पूजन और संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चौहान ने भिण्ड में मेडीकल कॉलेज बनाने और भिण्ड नगर पालिका को नगर निगम का दर्जा दिलाने की घोषणा की। चौहान ने सिरोमणि संत रविदास की जयंती पर घोषणा करते हुए कहा कि संत रविदास जी के जन्म स्थल पर भी जाएगी तीर्थदर्शन यात्रा। उन्होंने कहा कि माह मार्च से बुजुर्गो को अब हवाई जहाज से भी तीर्थ दर्शन यात्रा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आज से हम विकास यात्राओं की शुरूआत कर रहे है। यह यात्राऐं जिले के सभी ग्रामों एवं शहरी वार्डो में जाएगी। यह यात्राऐं कोई कर्मकांड नहीं होगी यह जनता की जिंदगी बदलने का अभियान है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि विकास यात्रा का मकसद शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना हैं। उन्होंने कहा कि विकास यात्राओं में लोकापर्ण, शिलान्यास के कार्य किये जाएंगे, हितलाभो का वितरण भी विकास यात्राओं के दौरान किया जाएगा। इसी के साथ शासन की योजनाओं से छूटे हुए व्यक्तियों के नाम जोडकर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान से प्रदेश में 83 लाख ऐसे व्यक्तियों को चिंन्नित किया गया है जो शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की पात्रता रखते है। इन सभी नागरिको को 38 विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित करने स्वीकृति-पत्र वितरण कार्य प्रदेश में चल रहा है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि सरकार गरीबो के कल्याण के लिए अनेक योजनाऐं चला रही है। भिण्ड जिले में 48 बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु 25 हजार रूपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। साथ ही मेद्यावी छात्र योजनान्तर्गत वोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 1600 से अधिक बच्चों को लेपटोप वितरित किये जा चुके है।

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि कनेरा सिंचाई योजना भी स्वीकृत हो गई है।प्रदेश में 45 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई हो रही है,सरकार ने इसे बढ़ाकर 65 लाख हैक्टेयर करने लक्ष्य रखा गया है । उन्होंने भिण्ड के अधिकारियों से कहा कि वे सिंचाई के प्रस्ताव बनाये। हम सभी सिंचाई प्रस्तावो को स्वीकृत करेंगे। उन्होंने कहा कि एक भी खेत पानी से वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से विकास और जनता की भलाई के लिए साथ चलने का संकल्प भी दिलाया।

मुख्यमंत्री लगातार लोगों की भलाई के लिए नई योजनाओं को साकार करते है: गोविन्द सिंह राजपूत

जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी लगातार लोगों की भलाई उनके कल्याण के लिए नई-नई योजनाओं को साकार करते है। जनसेवा भी उन्हीं की देन है। उनका यह संकल्प था कि प्रत्येक जरूरतमंद को योजनाओं का लाभ मिले। आज जो विकास यात्रा की शुरूआत हो रही है वह भी मुख्यमंत्री जी की सोच है। इस विकास योजना में विकास कार्यो भूमिपूजन के साथ-साथ पूर्ण हुए है। विकास कार्यो का भी लोकापर्ण होगा। सभी जरूरत मंदो को योजनाओं का लाभ देकर उन्हें शून्य की स्थिति में लाना है।

सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा कि जनसेवा अभियान जनसेवा अभियान पत्रो का वितरण सभी 230 विधानसभाओं में किया गया। साथ ही भिण्ड धरती पर चंबल संभाग के भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर जिले के 3 लाख 77 हजार हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। आज का दिन हमारे लिए गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व की सरकार ने पूरे चंबल संभाग को भयमुक्त और शांति का वातावरण पैदा कर चंबल को शांति का टापू बनाया है।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने कहा कि संत रविदास ने सामाजिक समरसता, एकता को जोडने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलने वाले विकास यात्रा मध्यप्रदेश की तसवीर को बदलेगी, लोगों की तरकदीर बदलेगी। कार्यक्रम को क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय, भिण्ड विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम शैलेन्द्र बरूआ अध्यक्ष म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सुनील सिंह भदौरिया, अध्यक्ष हस्तशिल्प एवं अथकरगा विकास निगम रणवीर जाटव, अध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती वर्षा बाल्मीकि, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, पूर्व सांसद अशोक अर्गल एवं डॉ भागीरथ प्रसाद, केपी सिंह, रमेश दुबे, आयुक्त चंबल संभाग दीपक सिंह, एडीजी राजेश चावला, कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, सहित भिण्ड के जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या में शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कांग्रेसजनों ने पीसीसी में मनाई संत रविदास जयंती

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज कांग्रेसजनों ने संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प भेंट कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास जिन्हें संत रविदास, गुरु रविदास, रैदास, रूहिदास और रोहिदास आदि कई नामों से जाना जाता हैं। रविदास जयंती और माघी पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है। संत रविवास जी बेहद धार्मिक स्वभाव के थे। वे भक्तिकालीन संत और महान समाज सुधारक थे। संत रविदास जी ने भगवान की भक्ति में समर्पित होने के साथ अपने सामाजिक और पारिवारिक कर्तृतव्यों का भी बखूबी निर्वहन किया। संत रविदास जी ने लोगों को बिना भेदभाव के आपस में प्रेम करने की शिक्षा दी और इसी तरह से वे भक्ति के मार्ग पर चलकर संत रविदास कहलाए। उनके उपदेशों और शिक्षाओं से आज भी समाज को मार्गदर्शन मिलता है।

मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ ने दैनिक सांध्यप्रकाश के स्थानीय संपादक संजय सक्सेना एवं संवाददाता दीनानाथ पटेल का सम्मान किया।सम्मानस्वरूप शाल श्रीफल एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा भेंट की गई। मुख्य अतिथि राज्य निर्धन वर्ग आयोग के अध्यक्ष शिव चौबे थे।

राधास्वामी सत्संग भवन में बसंत उत्सव धूमधाम से मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राधास्वामी सत्संग भवन में गणतंत्र दिवस व बसंत धूम धाम से मनाया गया। इसमें बड़ी मात्रा में अनुयायी शामिल हुए। राधास्वामी सत्संग मुख्यालय दयालबाग व देश-विदेश में स्थित इसके विभिन्न केंद्रों पर विविध धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद, बेबी शो सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें सभी उम्र के सत्संगी भाई, बहनों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य आयोजन राधास्वामी सत्संग मुख्यालय दयालबाग आगरा में मुख्य आचार्य प्रोफेसर प्रेम सरन सत्संगी के सानिध्य में आयोजित हुआ। ई-कास्केड के माध्यम से हुए इसके लाइव प्रसारण से पूरे विश्व के सत्संगी भाई-बहन इससे जुड़े रहे। साथ ही उन्होंने अपने-अपने केंद्रों पर भी विविध धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस मौके पर भोपाल सत्संग भवन चार इमली स्तिथ में शाम के सत्संग के बाद शब्द पाठ व सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे पाठ, फैंसी ड्रेस , बच्चों का नृत्य में सत्संगी भाई-बहनों और बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। विशेष बात यह रही कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजन स्थल दयालबाग आगरा की तरह यहां पर भी प्रकृति पर्व बसंत पंचमी को सत्संगी भाई, बहनों और बच्चों ने पर्यावरण प्रेमी के तौर पर मनाया। पूरे भवन की विशेष साज-सज्जा कर उसे दुल्हन की तरह सजाया, जिसकी मनोरम छटा का आनंद लेने को बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक जुटे। इस मौके पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजय रहे बच्चे को पुरस्कृत भी किया गया।

पद्मश्री कैलाश मड़बैया अभिनन्दनोत्सव सम्मान-2023 से अलंकृत

ललितपुर। विश्वशान्ति हेतु हुये राष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव में उत्कृष्ट साहित्यिक सृजन के लिये, सुप्रसिद्ध कवि पद्मश्री कैलाश मड़बैया भोपाल को राष्ट्रीय अभिनन्दनोत्सव सम्मान-2023 से अलंकृत किया गया। उन्हें महामुनि सुधासागर ने श्रीफल भेंट करने के उपरान्त आशीर्वाद दिया। पंचकल्यायक कमेटी ने कलाश मड़बैया को भव्य हार, अंगवस्त्र, पाग मुकुट और श्रीफल आदि भेंट किये। विद्वत सम्मेलन के अध्यक्ष पं. अशोक कुमार को भी श्रमण संगठन के लिये सम्मानित किया गया। संचालन अक्षय टड़ैया ने और संयोजन अंचल अध्यक्ष ने किया।

मावई को कृषि विभाग में सहायक संचालक के पद से सेवा निवृत्ति होने पर दी विदाई

भोपाल। मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय महामंत्री अमर सिंह मावई की कृषि विभाग में सहायक संचालक के पद से सेवा निवृत्ति पर विदाई समारोह विंध्याचल भवन में आयोजित किया गया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के सलाहकार केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्राप्त शिव चौबे, कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त रमेश चन्द्र शर्मा, कर्मचारी आयोग के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र खोंगल, राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष डी के यादव, खाद्य संघ के प्रांताध्यक्ष संतोष उईके, विभिन्न संघों के पदाधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी व अमर सिंह मावई के परिजन उपस्थित थे।

एम्स में मल्टी लेवल पार्किंग का भूमि पूजन किया

भोपाल। एम्स में प्रतिदिन हजारों की संख्या में आने वाले रोगियों एवं कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रविवार को कार्यपालक निदेशक प्रो डॉ अजय सिंह जी द्वारा मल्टी लेवल पार्किंग के भूमि पूजन कर निर्माण कार्य के प्रारंभ की विधिवत घोषणा की गई ।

एम्स में विश्व कैंसर दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आमजन में कैंसर के बारे में जागरूकता के प्रसार के लिए प्रतिवर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है । कैंसर जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है और दुनिया भर में इसके मामले बढ़ रहे हैं। भारत में विशेष रूप से मध्य प्रदेश में तंबाकू और गुटखा चबाने की बढ़ती आदत के कारण मुंह के कैंसर के मामले देश में सबसे अधिक हैं । रेडियोथेरेपी विभाग, एम्स भोपाल द्वारा जनता और कैंसर रोगियों को शिक्षित करने और कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित गया ।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मध्य प्रदेश शासन के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने किया । कार्यपालक निदेशक एम्स भोपाल डॉ. अजय सिंह ने उनका स्वागत व अभिनंदन किया । इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, लेकिन जब इसका शीघ्र निदान किया जाता है, तो इसका सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है, उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि जनता के लिए सुविधाओं के विकास के लिए सरकार एम्स का समर्थन करेगी । उन्होंने बताया कि बहुत जल्द भोपाल गैस त्रासदी पीड़ित कैंसर के रोगियों को मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराने के लिए मध्यप्रदेश शासन और एम्स भोपाल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

एम्स के कार्यपालक निदेशक, प्रोफेसर अजय सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि एम्सए भोपाल में रेडियोथेरेपीए कैंसर सर्जरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी जैसी सभी आधुनिक कैंसर उपचार सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि मरीजों को साक्ष्य आधारित देखभाल प्रदान करने के लिए उपचार शुरू करने से पहले कैंसर के सभी मामलों पर एक बहुविषयक ट्यूमर बोर्ड में चर्चा की जाती है । कार्यक्रम में एम्सए भोपाल के डीन अकादमिक, प्रोफेसर डॉ राजेश मलिक, चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ मनीषा श्रीवास्तव और उप निदेशक प्रशासन, कर्नल डॉ अजीत कुमार भी उपस्थित थे । इस अवसर पर एम्स भोपाल के रेडियोथैरेपी के विभागाध्यक्ष डॉण् राजेश पसरिचा तथा कैंसर रोगियों के रिश्तेदारों ने भी अपने विचार रखे । इस अवसर पर कैंसर सर्वाइवर मरीजों के लिए विकसित उद्यान, टारगेटेड एंड बायोलॉजिकल थैरेपी क्लिनिक, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी क्लिनिक, कैंसर सर्वाइवर एंड रिहैबिलिटेशन क्लिनिक और ब्रेकीथेरेपी क्लीनिक का उद्घाटन किया गया ।

एम्स में रेजिडेंट डॉक्टरों ने किया बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

एम्स भोपाल के रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा दिनांक 5 फरवरी 2023 को बैडमिंटन कोर्ट में स्वर्गीय डॉ. आंचल त्रिपाठी स्मृति बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया । टूर्नामेंट का उद्घाटन एम्स भोपाल के डीन प्रो. (डॉ.) राजेश मलिक ने किया । एक दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन डॉ दिव्यभूषण, डॉ देवेश, डॉ ऋषि, डॉ सिबी ने किया । एम्स भोपाल के 100 रेजिडेंट डॉक्टरों और 50 फैकल्टी सदस्यों ने अपने व्यस्त कार्य शेड्यूल से इस अति आवश्यक ब्रेक में उत्साह के साथ भाग लिया । टूर्नामेंट का विभिन्न विभागों के रेजिडेंटस और फैकल्टी ने आनंद लिया । डॉ. मलिक ने डॉक्टरों के बीच नियमित खेल गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया क्योंकि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है और इसमें शामिल सभी लोगों द्वारा की गई कड़ी मेहनत की सराहना की ।

फैकल्टी फीमेल सिंगल्स में डॉ गुंजन चौकसे, फैकल्टी मेन्स सिंगल्स में डॉ मोली किरण, रेजिडेंट फीमेल सिंगल्स में डॉ स्मृति, रेजिडेंट मेल्स सिंगल्स में डॉ पुष्पेंद्र, मेल डबल्स में डॉ मोली और डॉ बृजेश, फीमेल डबल्स में डॉ हर्षिता और डॉ पूजा और फीमेल डबल्स में डॉ हर्षिता और डॉ पूजा मिक्स्ड डबल्स में डॉ मोली और डॉ. प्रणिता विजेता रहे ।

स म्पा द की य

बगावत और विरोध में अंतर...

तीन साल पहले दिसंबर 2019 के जामिया हिंसा मामले में अदालत के फैसले ने जहां नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की अहमियत को रेखांकित किया है, वहीं पुलिस के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि अधिकांश पुलिस ज्यादातर किसी के निर्देश पर ही ऐसे काम करती है, फिर भी ऐसे मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत तो है। क्योंकि सत्ता में बैठे या शक्ति के केंद्र बने लोग निर्देश, आदेश तो दे देते हैं और पुलिस-प्रशासन से कई बार वो काम करवा लेते हैं, जो नहीं करवाना चाहिए, बाद में भुगतना पुलिस या प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों को ही पड़ता है।

देश में सीएए यानि नागरिक संशोधन कानून के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान दिल्ली में जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के पास हुई हिंसा की घटना और इससे निपटने के पुलिस के अंदाज पर उस समय भी सवाल उठे थे। खासकर पुलिस के विश्वविद्यालय के अंदर घुसकर बलप्रयोग करने की काफी आलोचना हुई थी। हालांकि पुलिस की ओर से तब यह दलील दी गई थी कि बेकाबू होते हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए उसका बलप्रयोग करना जरूरी हो गया था।

हिंसा की घटनाओं के बाद मामले की जांच के दौरान भी पुलिस ने जिस तरह से आंदोलन की अगुआई कर रहे छात्रों पर हिंसा के आरोप मढ़े, उससे यह दिखाने की कोशिश हुई कि मानो छात्रों के इस आंदोलन का मकसद ही हिंसा फैलाना रहा हो। स्वाभाविक ही इस पर सवाल और संदेह उठ रहे थे, लेकिन ऐसे मामलों में तमाम संदेहों का निराकरण अदालती प्रक्रिया से होना ही सर्वश्रेष्ठ होता है। और, अब तथ्यों और सबूतों की रोशनी में अदालती प्रक्रिया से जो सच उभरा है, वह पुलिसिया कार्यवाही को आइना दिखा रहा है। अदालत ने अपने फैसले में बिलकुल ठीक कहा है कि बगावत और विरोध में अंतर होता है और एक लोकतांत्रिक देश में पुलिस को इन दोनों के बीच का फर्क याद रखना चाहिए।

बगावत की इजाजत किसी भी सूरत में नहीं दी जा सकती, लेकिन असहमत होना और विरोध करना नागरिकों के मौलिक अधिकारों का ही एक रूप है, जिस पर आंच नहीं आने दी जा सकती। इसी बिंदु पर अदालत ने यह भी याद दिलाया कि ऐसे विरोध के साथ यह शर्त जुड़ी हुई है कि इसे हर हाल में शांतिपूर्ण होना चाहिए।

जेएनयू में भी इस तरह की कई बार कार्रवाई की जा चुकी है। और यह सब किसी खास रणनीति के तहत ही किया गया या किया जा रहा है, ऐसे आरोप भी लगते रहे हैं। हालांकि वहां भी कुछ लोगों को सजा मिली, लेकिन कन्हैया कुमार जैसे युवा के खिलाफ जिस तरह से फर्जी तथ्य जुटाने के प्रयास किए गए, वो बाद में झूठे ही साबित हुए। वो तो न्यायालय में उन्हें नकार दिया गया, नहीं तो यदि सत्ता में काबिज लोगों का वश चलता तो न्यायालय में भी वो तथ्य सही मानते हुए सजा होना तय थी। कई मामलों में ऐसा हुआ। और वर्तमान में कुछ ज्यादा ही हो रहा है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि पुलिस द्वारा चार्जशीट किए गए 11 आरोपियों को अदालत ने यह कहते हुए बरी कर दिया कि इनके खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत देना क्रिमिनल सिस्टम के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा। अदालत ने साफ-साफ कहा है कि पुलिस वास्तविक अपराधियों को ढूंढ नहीं पाई और इन लोगों को बलि का बकरा बना दिया। हालांकि कोर्ट की ये सख्त टिप्पणियां एक खास मामले में आई हैं और इसे आम तौर पर पुलिस के व्यवहार पर टिप्पणी के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन चूंकि यह टिप्पणी एक बेहद चर्चित और हाईप्रोफाइल मामले में आई है, इसलिए पुलिस और प्रशासन के लिए भी जरूरी है कि इसे एक सबक के रूप में ले और यह सुनिश्चित करे कि जो गलतियां इस मामले में हुईं, वे किसी भी सूरत में अन्य मामलों में न दोहराई जाएं।

सत्ता में काबिज लोगों को भी यह सोचना होगा। भले ही वो किसी भी दल के हों, आज कोई और पार्टी है, कल कोई और पार्टी सत्ता में रही, आने वाले दौर में हो सकता है कोई और आ जाए, अधिकारों का दुरुपयोग एक हद तक ही ठीक होता है। जिन लोगों ने पहले किया, वो आज भुगत रहे हैं और जो आज कर रहे हैं, वो भी कभी न कभी भुगतेंगे। हां, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की आड़ में हम इनका दुरुपयोग भी न करें। बगावत और विरोध में अंतर तो सबको ही समझना होगा, चाहे जनता हो या फिर सत्ताधीश।

Vallabh Bhawan Corridors 2 Central Vista

नरोत्तम ने शिवराज को आखिर सिंघम जैसा क्यों बताया?

सुरेश तिवारी

मुख्यमंत्री इन दिनों जिस बेखौफ अंदाज में काम कर रहे हैं, उससे अहसास हो गया कि उन्हें दिल्ली से आगे बढ़ने की हरी झंडी मिल गई। इसका सबसे बड़ा इशारा यह भी है कि पार्टी के जो भी नेता उनका विकल्प बनने का सपना देख रहे थे, वे अब किनारे हो गए! कोई और शिवराज सिंह को 'सिंघम' अवतार कहे तो शायद उतना असर नहीं पड़ता, पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्र ने जिस अंदाज में शिवराज सिंह को सिंघम कहा, वो सबसे ज्यादा मायने रखता है।

इसलिए कि ऐसे कई मौके आए जब ऐसा लगता था कि नरोत्तम मिश्रा मुख्यमंत्री की दौड़ में है। पर, अब खुले मंच से गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री की सराहना की, तो लगता है कि वास्तव में शिवराज अब बीजेपी के भी 'सिंघम' हो गए हैं।

याद कीजिए कुछ महीने पहले नरोत्तम मिश्रा ने मंच पर मुख्यमंत्री के आने पर उनके सम्मान में खड़े हुए मंत्री अरविंद भदौरिया का कुर्ता खींचकर उन्हें बैठने को कहा था। गृहमंत्री ने शिवराज सिंह को इसलिए सिंघम कहा, क्योंकि आज की तारीख में मध्यप्रदेश में कोई भी संगठित गिरोह नहीं बचा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रदेश में हजरत का, हनी का, रामबाबू का, जगजीवन का, टोपिया का, ददुआ के गिरोह सक्रिय थे। मालवा में सिमी का तो बालाघाट में नक्सलाइट का नेटवर्क था। फिर लगभग 'सिंघम' जैसा अवतार मुख्यमंत्री का सामने आया और आज प्रदेश में एक भी संगठित आपराधिक गिरोह नहीं है।

ये प्रसंग इसलिए आया कि आईपीएस सर्विस मीट में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की पुलिस की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने छह महीने में सारे डकैत खत्म कर दिए। शिवराज सिंह ने कहा कि दो पुलिस अधिकारी जो अब रिटायर्ड हो गए हैं। मैंने उन्हें बुलाकर बातचीत की और पूछा कि हम डकैत कैसे खत्म करें? उन्होंने कहा कि हम जिनके नाम दें, उन्हें वही पोस्ट करें और उनके काम में कोई इंटरफेयर न हो। दोनों जोन में एक जगह सर्वजीत सिंह साहब को और दूसरे में विजय यादव को भेजा था। इसके बाद छह महीने में सारे डकैत गिरोह खत्म हो गए और आजतक नहीं पनप सके।

मंत्री और बिजनेस पार्टनर में झगडे का मूल कारण!

कहावत है कि किसी रिश्ते में यदि पैसा आता है तो वहां खटास आने में भी देर नहीं लगती! ऐसा ही कुछ बदनावर (धार) के विधायक और औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और बिजनेस पार्टनर नितिन नांदेचा के साथ भी हुआ। अब स्थिति ये आ गई कि नांदेचा ने धार एसपी को मंत्री के खिलाफ लंबी-चौड़ी शिकायत करके अपनी वे गाड़ियां और उन्हें दिए पैसे मांगे हैं। जबकि, राजवर्धन ने सार्वजिक रूप से किसी भी लेनदेन इंकार किया और कहा कि गाड़ियां तो किराये है, जिनका नांदेचा को किराया मिल रहा है।

दो बिजनेस पार्टनर अब दुश्मन हो गए। जबकि, एक समय ऐसा था जब नितिन नांदेचा के घर से राजवर्धन के लिए टिफिन आता था। पिछले चुनाव का फाइनेंशियल मैनेजमेंट भी नांदेचा के पास था। दोनों के बीच तनातनी का सबसे बड़ा कारण एक खदान का आवंटन बताया जा रहा है। बताया गया कि नांदेचा ने खदान के लिए मंत्री को 12 लाख का चेक भी दिया था। पर, बाद में कुछ ऐसा हुआ कि खदान राजवर्धन के निकटतम रिश्तेदार के नाम आवंटित हो गई और नांदेचा को चेक से दिए पैसे भी नहीं मिले। बस यहीं से दोस्ती की कहानी बदल गई।

संबंध खराब हुए तो पारिवारिक रिश्ते भी दरक गए। संबंध में खटास तो आ ही गई, पर कड़वाहट तब बढ़ी, जब उनकी होटल में रुकी एक युवती ने राजवर्धन के नाम पर हंगामा किया और उन पर गंभीर आरोप लगाए। हालत तब और बिगड़े, जब इस घटना का वीडियो वायरल हुआ और बात मंत्री की इज्जत पर आ गई। राजवर्धन को लगा कि यदि नांदेचा चाहते, तो वीडियो वायरल नहीं होता और मामला रफा-दफा हो जाता। लेकिन, जो हुआ वो मंत्री को बहुत नागवार गुजरा और उसके बाद हुई कड़वाहट ने सब कुछ सड़क पर ला दिया।

कलेक्टर और उनके स्टेनो का संदेश!

ऋषि गर्ग को 3 फ़रवरी को हरदा में कलेक्टर पदस्थ हुए एक साल पूरा हो गया। लोगों ने उनके एक साल के कामकाज की जिस तरह सराहना की, उससे वे अभिभूत हो गए। उन्होंने ट्वीट किया कि यह मेरे अब तक के करियर में काम का सबसे संतोषजनक पड़ाव रहा है। मैं भगवान, मेरे परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों, आलोचकों और जनता को उनके समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देता हूं। मेरे स्टेनो ने एक प्यारा संदेश दिया था। मेरा दिन बना दिया। अपने कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर कलेक्टर का अपने स्टेनो को इतनी अहमियत देना उनकी सदाशयता और उनकी टीम भावना का उदाहरण है।

ऋषि गर्ग को जिले में कुछ अलग तरह का अधिकारी माना जाने लगा है जो जनता की भलाई के किसी काम में कभी पीछे नहीं रहते। समय मिलते ही वे ग्रामीण इलाकों के दौरे पर निकल जाते हैं। कलेक्टर ने रात-रात में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हैं। पिछले दिनों उन्होंने एक गांव के दौरे में राशन दुकान संचालक की शिकायत मिलने पर दो दुकान संचालकों पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। साथ ही पंचायत सचिव, रोजगार सहायक व पंचायत समन्वयक के 5-5 का वेतन काटने के निर्देश दिए।

सीएम ने फिटनेस के साथ एडीजी के नशामुक्ति अभियान को भी सराहा

शहडोल के एडीजी डीसी सागर की फिटनेस और उनके नशामुक्ति अभियान की जमकर चर्चा है। एडीजी अपनी गाड़ी में नशा मुक्ति अभियान की तख्तियां साथ लेकर चलते हैं। वे जहां भी जाते हैं, लोगों को नशामुक्ति और नर्मदा को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाने से नहीं भूलते। कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के दौरान भी शहडोल कमिश्नर राजीव शर्मा और एडीजी डीसी सागर ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को नशा मुक्ति और नर्मदा स्वच्छ रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। जब मुख्यमंत्री को बताया गया कि वे अपनी गाड़ी में नशामुक्ति की तख्तियां लेकर चलते हैं और लोगों को जागरूक करते हैं, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी गाड़ी में भी नशा मुक्ति अभियान के संदेश लगवा दें।

एडीजी डीसी सागर अपनी फिटनेस को लेकर इतने ज्यादा सजग हैं कि मुख्यमंत्री ने भी कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में उनकी तारीफ की और कहा कि यदि फिट रहना सीखना है तो डीसी सागर से सीखो। एडीजी युवाओं को मोटिवेट भी करते रहते हैं। वे जब भी किसी कार्यक्रम में जाते हैं अपने जिस जोशीले अंदाज में भाषण की शुरुआत करते हैं, उससे युवा बहुत आकर्षित होते हैं। उनका भाषण युवाओं पर फोकस होता है। डीसी सागर की चर्चा शहडोल की उनकी पहली प्रेस कांफ्रेंस सही होने लगी थी। उन्होंने पत्रकारों को नाश्ते में समोसा देने से मना कर दिया था। निर्देश दिए थे कि नाश्ते में फल रखे जाएं।

'आप' ने कमर कसी, हर सीट पर चुनौती देगी!

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में अब आम आदमी पार्टी (आप) भी मैदान संभालेगी। सभी 230 सीटों पर 'आप' के उम्मीदवार कांग्रेस और भाजपा के सामने त्रिकोणीय स्थिति बनाएंगे। सिर्फ चुनाव ही नहीं लड़ेंगे, मुख्यमंत्री का चेहरा भी सामने लाया जाएगा। आशय यह कि 'आप' ने चुनाव के लिए पूरी तैयारी कर ली है। पार्टी ने दो बार दिल्ली में चुनाव जीता, पंजाब में भी सरकार बनाई और गुजरात में जिस तरह चुनाव लड़ा, वही अब मध्यप्रदेश में होगा।

'आप' ने मध्यप्रदेश के नगर निकाय चुनाव में एक महापौर का चुनाव जीतकर अपने इरादे पहले ही स्पष्ट कर दिए। पार्टी दिल्ली और पंजाब में उनकी सरकार के कामकाज को आधार बनाकर वोट मांगेगी। भोपाल में 'आप' ने चुनावी बैठक करके विधानसभा चुनाव की रणनीति तय की है। यह भी तय हुआ कि एक-डेढ़ महीने में मप्र की इकाई भी गठित कर दी जाएगी, जो पिछले दिनों भंग कर दी गई है।

पार्टी इस बात को प्रचारित करेगी कि कांग्रेस को वोट देना यानी भाजपा को मजबूत करना है। क्योंकि, भाजपा का एजेंडा है कि कांग्रेस के जो उम्मीदवार जीते, उन्हें खरीद लो। मध्यप्रदेश में कांग्रेस को वोट देने से भाजपा ही फायदे में रहेगी। पार्टी का यह भी नजरिया है कि लोगों ने दिल्ली और पंजाब का विकास मॉडल देखा है। दिल्ली मॉडल देखने के बाद पंजाब में जनता ने आप को मौका दिया।

सरकार और न्यायपालिका में जारी है बहस

पिछले कुछ महीनों से केंद्र सरकार और न्यायपालिका के बीच अच्छी बहस चल रही है। कालेजियम व्यवस्था को लेकर विधि मंत्री बयान भी देते रहते हैं। नये उपराष्ट्रपति धनखड ने भी पुराने फेसलो को लेकर बहस को नयी दिशा दे दी, लेकिन इन सब के बीच अच्छी बात यह है कि शनिवार को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 5 जजों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए। हालांकि यह सच्चाई है कि वर्तमान सरकार में सर्वाधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई है।

अमेरिका से जारी संगठनों की रिपोर्ट क्या प्रायोजित है?

अडानी समूह को लेकर सरकार को संसद से लेकर सड़क तक विरोध झेलना पड़ रहा है। सरकार इसे दुष्प्रचार बता रही है। वित्त मंत्रालय से लेकर रिजर्व बैंक तक न केवल सफाई दे रहे हैं बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बहुत मजबूत होने का दावा भी कर रहे हैं। लेकिन सत्ता के गलियारों में कुछ और ही चर्चा है।अडानी के बारे में रिपोर्ट अमेरिका के एक संगठन ने जारी की जिससे विपक्ष को मोदी सरकार के खिलाफ एक मुद्दा मिला। एक हफ्ते के अंदर ही अमरीका के ही एक अन्य संगठन ने रिपोर्ट जारी कर मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बता दिया। इस रिपोर्ट पर विपक्ष ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। क्या दोनों रिपोर्ट प्रायोजित हैं?

नौकरशाही ने अपनाया ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर का सिद्धांत

केंद्र सरकार की नौकरशाही अब अपने काम से मतलब रखने लगी है। अधिकांश अफसरों ने ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर का सिद्धांत अपना लिया है। मिलना जुलना तो पहले से ही कम हो गया है। सत्ता के गलियारों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं।

सराहनीय है विष्णु का यह सांगठनिक धर्म

कौशल किशोर चतुर्वेदी

बुंदेलखंड के कद्दावर नेता रहे स्वर्गीय जितेंद्र सिंह बुंदेला की चौथी पुण्यतिथि और मूर्ति अनावरण के अवसर पर छतरपुर पहुंचकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने बुंदेला के पार्टी के लिए समर्पण के प्रति श्रद्धावनत होकर कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण संदेश दिया है। निश्चित तौर से संगठन के मुखिया होने के नाते विष्णु दत्त शर्मा का यह सराहनीय कार्य है, तो पार्टी कार्यकर्ता होने के नाते एक वरिष्ठ समर्पित कार्यकर्ता के पार्टी के प्रति योगदान का? स्मरण कर दूसरे सभी कार्यकर्ताओं में भाजपा की रीति-नीति पर गर्व करने का भाव पैदा करना भी है। छतरपुर में पूर्व सांसद-विधायक स्व. जितेद्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए विष्णु दत्त शर्मा पहुंचे और कार्यकर्ताओं के बीच भरपूर समय मौजूद रहे। यह संदेश भी दिया कि स्व. जितेंद्रसिंह जी के कामों को आगे बढ़ाना हम सब की जिम्मेदारी है। उस दौर में विष्णु दत्त शर्मा का यह कार्य ज्यादा सराहनीय है, जब यह भाव आम कार्यकर्ता के मन में घर करता जा रहा है कि किसी नेता की पूछपरख तब तक ही है जब तक कि वह पद पर है।

जितेंद्र सिंह बुंदेला का जन्म सतना जिले में 22 सितंबर 1958 को हुआ था। जितेंद्र सिंह बुंदेला का राजनैतिक सफर पंच से शुरू हुआ और पार्टी में जब भी जो जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे मन से निभाया। राजनीति में वर्तमान में निजी हितों के अनुसार दलों को बदलने की जो परिपाटी बन गई है, जितेंद्र सिंह बुंदेला ऐसे विचारों से कोसों दूर थे। उनका राजनैतिक सफर वर्ष 1979-1980 से शुरू हुआ। तब वह महाराजा कॉलेज छतरपुर के अध्यक्ष बने। 1984-1989 निर्विरोध पंच ग्राम पंचायत बगौता छतरपुर बने। 1986-1991 अध्यक्ष कृषि उपज मंडी समिति छतरपुर रहे। 1998-2004 जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी छतरपुर रहे। 2003-2008 में विधानसभा क्षेत्र बिजावर से विधायक बने। इस दौरान 2004-2008 डायरेक्टर मंडी बोर्ड भोपाल रहे। वह राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्काउट गाईड मध्यप्रदेश और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत स्काउट गाईड जैसे पदों पर भी रहे। वहीं 2017 से उनके निधन तक वह प्रदेश संयोजक, प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश भोपाल और छतरपुर के भाजपा जिला अध्यक्ष के पद पर थे। यानि कि पार्टी ने टिकट दिया तो खुशी-खुशी पार्टी लाइन पर काम किया और नहीं दिया तब भी बगावत जैसे भाव को दिल में पनपने नहीं दिया। वह मुझसे भी मित्रवत रहे और जब मिले तब गले लग गए। जब भी परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं रहीं, तब भी सहज-सरल भाव से यही कहा कि पार्टी उचित समय पर उचित विचार करेगी। कद के हिसाब से यही सहजता और पार्टी के प्रति समर्पण स्व. जितेंद्र सिंह बुंदेला के प्रति अनुकरण का भाव पैदा करती थी और करती रहेगी। 3 फरवरी 2019 को महज 60 वर्ष की आयु में जब उनके निधन की सूचना आई, तब उन्हें जानने वाला हर व्यक्ति शोकमय था। और यही व्यक्ति की पूंजी होती है, पद, पैसा और रुतबा सब पड़ा रह जाता है और व्यक्ति सब कुछ छोड़कर खाली हाथ उड़ जाता हैज्पर निधन की सूचना हर जानने वाले को शोकमय कर दे, यह पूंजी बिरले ही संग्रहित कर इस दुनिया से जा पाते हैं। स्व. जितेंद्र सिंह बुंदेला बुंदेलखंड के राजनैतिक परिदृश्य की ऐसी ही शख्सियत थे। उनके सम्मान में लिखी गईं यह पंक्तियां उनके व्यक्तित्व को ही चरितार्थ करती हैं कि भले ही आप इस दुनिया को अलविदा कह गए, लेकिन आपके विचार आज भी हम सबके जेहन में जिंदा हैं दाऊ साहब?।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने उन्हें याद करते हुए यही भाव व्यक्त किए कि यह कार्यक्रम एक ऐसे कार्यकर्ता की पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया है, जिन्होंने अपनी मेहनत से, अपने खून-पसीने से छतरपुर में पार्टी संगठन को सींचा और संगठन के काम को खड़ा किया। मैं उन्हें अपनी ओर से तो श्रद्धासुमन अर्पित करता ही हूं, सभी को आश्वस्त भी करना चाहता हूं कि इस क्षेत्र में उनके किए गए कामों को आगे बढ़ाना सिर्फ उनके परिवार की नहीं, बल्कि हम सब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है और हम उसे पूरा करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। स्व. जितेंद्रसिंह बुंदेला का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि मैं विद्यार्थी परिषद के समय उनके संपर्क में रहा। बाद में जब पार्टी ने मुझे प्रदेश महामंत्री बनाया, तो उनके साथ काम करने का अवसर भी मिला। उस समय बुंदेला जी प्रधानमंत्री जनसेवा प्रकोष्ठ का काम देखते थे। इसके बाद जब मुझे इस लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया, तब मैं उनके घर जाकर उनसे मिला। बुंदेला जी किसी भी भूमिका में रहे हों, लेकिन उनके मन में हमेशा कार्यकर्ता भाव मौजूद रहता था और उसी भाव के साथ उन्होंने पार्टी का काम खड़ा करने में स्वयं को झोंक दिया था। भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ा कार्यकर्ता आधारित दल है। पार्टी का हर कार्यकर्ता यह जानता है कि यहां व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ता, बल्कि हमारा विचार और पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल ही चुनाव लड़ता है। स्व. बुंदेला जैसे कार्यकर्ता भाव के साथ काम करने वाले लोगों के काम को ही पार्टी संगठन याद रखता है। उनके जैसे कार्यकर्ताओं के दम पर ही भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है और अन्य दलों से अलग अपनी पहचान रखता है। स्व. बुंदेला जी जैसे कार्यकर्ता के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि यही होगी कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आपको पार्टी संगठन, उसके उद्देश्यों और विचार के साथ प्रतिबद्ध रखे। विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि राजनीति और चुनाव एक दूसरे के पूरक हैं। यहां के कार्यकर्ताओं ने आमजन के साथ परिवार भाव के साथ जो काम किया है, यही परिवारभाव हमें जीत की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि स्व. बुंदेला जी की पुण्यतिथि पर हमें यह संकल्प लेकर जाना है कि हम संगठन में उनके काम को आगे बढ़ाते हुए 2023 और 2024 के चुनावों में जीत का इतिहास बनाएंगे।

निश्चित तौर से संगठन के मुखिया होने के नाते विष्णु का यह कार्य सराहनीय है। ऐसे कार्यकर्ताओं का स्मरण पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और उत्साह से भर देता है। इससे पार्टी की विशिष्ट छवि को बरकरार रखने के लिए कार्यकर्ता प्राणप्रण से काम में जुटे रहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा स्व. जितेंद्र सिंह बुंदेला जैसे कार्यकर्ताओं को उनकी कर्मभूमि में जाकर स्मरण करना उनके संगठन कौशल का परिचायक है। पार्टी कार्यकर्ता के नाते यह व्यक्तिगत धर्म भी बनता है और मुखिया होने के नाते सांगठनिक धर्म भी हैज्और अच्छी बात यह कि वह सभी धर्म पर खरे उतर रहे हैं।

इस पाखंडी दौर में रैदास और उनके गुरू की बात

जयराम शुक्ल

देश में धरम और राजनीति दोनों की मिश्रित बयार चल रही है। रैदास-कबीर के सूबे में चल रहे चुनावों के समानांतर धरम और मजहब का बाना लिए पंडे और मुल्ले मैदान-ए-जंग पर हैं। हरिद्वार-प्रयाग में धर्म संसदें सजी हैं, घड़ी-घंट, ढोलढमाके की ध्वनि गूँज रही है। उधर देवबंदी-बरेलवी मीनारों से फतवों की तकरीरें सुनने को मिल रही हैं। धरम सभी को व्याप रहा है। इसमें कोई हर्ज भी नहीं। चलो इसी बहाने हम भी पतित से पावन होने का अवसर तजबीज लेते हैं। हो सकता है ये पावन चित्त ही देश की जीडीपी बढ़ाने के काम आए।

धरमगुरु, जगदगुरु, मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, पीठाधीश, मठाधीश, महंत, काजी, मुल्ला, नमाजी सभी निकल पड़े हैं, अपनी-अपनी आडी, मार्सडीज और बीएमडब्लू,फेरारी से। आदिगुरू शंकराचार्य ने तो चार ही पीठ स्थापित की थी। अब गिनती करिए तो चौदा सौ चौव्वालिस से ज्यादा होंगी। एक दिन अखबार में फोटो देखी, मूड़ मुड़ाए एक संतजी जगदगुरु बनने का वैसा ही प्रमाणपत्र लिए खड़े थे जैसा कि निर्वाचन के बाद विधायक, सांसद कलेक्टर से सर्टीफिकेट लिए दिखते हैं।

पहले हिमालय में कठिन तपस्या के बाद ऋषिमुनि समाज में आते तो उन्हें जगदगुरु की उपाधि मिलती और भक्त लोग उन्हें ईश्वर की भाँति पूजते थे। अब तो सर्टीफिकेट दिखाकर बताते हैं कि हम फला मठ के मठाधीश हैं। मठाधीशी तय करने के सैकडों मुकदमे छोटी बड़ी अदालतों में पेंडिंग हैं। महंती के कई मामले तो बंदूकों के जरिए तय होते हैं। प्रयाग और चित्रकूट में कई बार साधुओं के गैंगवार हो चुके हैं। महंती के कई प्रत्याशी ऊपर चले गये, कई जेलों में हैं।

एक दिन एक साहित्यिक समारोह में एक सन्यासी जी पधारे। जिग्यासा थी कि इनसे कुछ ग्यान मिलेगा। पर वे एक घंटे चीख-चीखकर बताते रहे कि सन्यासी बनने के क्या मजे हैं। आर्केस्टा में जैसे कोई कामेडियन मजा लगाता है वैसे वे भी मजा लगाते रहे। युवतियाँ-महिलाएं उनके खास निशाने पर थीं। उन्हें इंगित कर करके वे मसखरी करते रहे। साहित्य और ग्यान के अलावा उनने सभी कुछ बघारा। यह भी बताया कि उनकी कार किस ब्राँड की है और आश्रम भी हरिद्वार में कितना आलीशान है।

उस सभा में ही मेरे एक मित्र ने बताया कि ये पहुँचे हुए सन्यासी हैं इन्हें सुनने हजारों की भीड़ जुटती है। ये भागवत् कथा की आधुनिक संदर्भ में व्याख्या किया करते हैं। इनका पैकेज बीस लाख के आसपास का है। यानी कि आप कथा सुनो तो पहले बीस लाख का इंतजाम करो। लोग करते हैं तभी तो इनकी डिमांड है। अब हर प्रवचनकार पैकेज में जाते हैं। उनके साथ दुकानें भी जाती हैं और नाटक मंडली भी।

सोशलमीडिया में एक भागवत कथा की झलक किसी ने शेयर की, उसमें कृष्ण का रूप धरे एक युवक व एक अधनंगी लड़की नाच रही थी। भागवात् वाचक और भक्तगण मुदित थे कि राधा-कृष्ण का रहस चल रहा है। इन भागवतकथा पंडालों में जो कुछ चल रहा है उसे भगवान वेदव्यास देख लें तो व्यासगादी से तत्काल त्यागपत्र देकर द्वारिका के समुद्र में खुद को विसर्जित कर लें। पर यहाँ तो बस ऐसा भक्तिभाव है कि क्या कहिए। हमारे शहर के प्राय: हर मोहल्ले में छोटी बड़ी कथा-वार्ताएं चल रही हैं। भोपाल गया तो वहां कम से कम दस शाईनबोर्ड देखे कि कहाँ-कहाँ ऐसी कथाएं चल रही हैं या चलने वाली हैं और कौन महाराज सुना रहे हैं। इंदौर पहुँचा तो वहाँ भी होटल के कमरे के रोशनदान से भक्ति छन के आ रही थी। ऐसा भक्ति का वातावरण कि हर कोई मुदित हो जाए। कहते हैं जब पाप और अत्याचार बढ़ता है तब भगवान याद आते हैं। सब उन्हीं की शरण जाते हैं। क्या वाकई पाप बढ रहा है और इससे मुक्ति दिलाने कोई अवतार होने वाला है? मित्र ने बताया नहीं ऐसा कुछ भी नहीं है। चुनाव आने वाले हैं और हर भागवत कथाओं के पीछे उस इलाके के संभावित प्रत्याशी हैं।

राजनीति का ये नया पैतरा है। नेताओं की झूठ सुनने अब पब्लिक उनके सभाओं में आने से रही। जो सक्षम हुए वो रोजनदारी की मजूरी से बुला लेते हैं। जो सत्ता में हैं उनके लिए भी कार्यक्रम-योजनाओं के नामपर ढेर सारे प्रपंच हैं। सो दिनभर की मजदूरी देकर भीड़ जोड़ने से बेहतर है कि किसी साधू-बैरागी को ही एक मुश्त दे दो और कथा करवा लो। लोग भी जुटेंगे और अपना नीचे-ऊपर हर जगह भला होगा।

सोचता हूँ कि क्या हम उन्हीं आदि शंकराचार्य के महान देश के वासी हैं जिन्होंने बालपन में ही गृहस्थी, माँ-बाप की ममता को छोड़कर ग्यान बाँटने निकल पड़े। लँगोटी, कमंडल, मूँज की रस्सी और एक लकुटी लेकर। समूचे भारतवर्ष को अपने कदमों से नापा। देश को सांस्कृतिक रूप से एक किया। वेदांतदर्शन को जनजन तक पहुँचाया। पाँच घर भिक्षा माँगकर क्षुधापूर्ति की।

और ये आज के शंकराचार्य हैं, स्वयंभू जगदगुरु हैं जो डेढ़ करोड़ की कारों से चलते हैं। हवाई जहाज से नीचे पाँव नहीं धरते। मणिरत्नजटित सिहासन इनके साथ चलता है। सरकारें इनकी पुण्याई लेने के लिए हर काम छोड़कर इनके आगे बिछी रहती हैं।

इन जगदगुरुओं के पास तक पहुँचने के लिए भक्तों को मेटल डिटेक्टर से गुजरना पड़ता है। एक-एक आश्रमों के टर्नओवर पाँच से दस हजार करोड़ तक है। ये आज के धर्मध्वजा वाहक हैं। धर्म इन्हीं पर टिका है, देश और पूरा तंत्र इन्हीं के नाम बिका है। कोई कुछ बोलने वाला क्यों नहीं?

मध्ययुग में जब ऐसे ही मिथ्याचारी,

पाखंडी कर्मकांडियों का बोलबाला हुआ तो संत समाज से ही कई महापुरुष उठ खड़े हुए। उनमें से एक हैं स्वामी रामानंदाचार्य। इसी माघ की सप्तमी के दिन उनकी जयंती पड़ चुकी है। कहीं किसी कोने से ये खबर नहीं मिली कि स्वामी रामानंदाचार्य की जयंती मनाई गई हो। या भक्तों ने साईं बाबा की भाँति कहीं उनकी पालकी उठाई हो। आज उनके चेले संत रविदास की जयंती है, वे जनम भर खुद को रैदासा ही कहते कहवाते रहे।

स्वामी रामानंदाचार्य कौन? आदिगुरू शंकराचार्य के बाद यदि किसी ने धर्म की रक्षा की तो ये यही थे, संत कबीर और संत रैदास के गुरू। जिन्होंने सिर्फ एक नारा-

हरि को भजै तो हरि का होय,
जाति-पाँति पूछे नहिं कोय।

देकर बिखरते हुए विशाल हिंदू समाज को बचा लिया।

आज से सात सौ साल पहले स्वामी रामानंद का अवतरण तब हुआ जब धर्मधुरंधरों के पाखंड का वही स्वरूप था जो आज आप महसूस कर सकते हैं। मंदिर और मूर्तियाँ पंडों के निगहबानी में थीं। छुआछूत,जातिप्रथा और धर्मांधता चरम पर। मजाल क्या कि कोई छोटी जाति का व्यक्ति मंदिर प्रवेश कर ले। पूजा, जप, तप पर पाबंदी।

ऐसे में पाखंडियों के मकड़जाल से धर्म को निकालने स्वामी रामानंद आए। चमड़े का काम करने वाले रैदास को संत रविदास बना दिया। वही रविदास जिन्होंने मीराबाई को गुरुमंत्र दिया। एक जुलाहे कबीर को संत कबीर बना दिया। बाल काटने का काम करने वाले सेन महात्मा सेन बन गए। कसाई की वृत्ति से जीवन चलाने वाले धना पूज्य हो गए। उन दिनों जिन-जिन जातियों को अछूत और मंदिर तथा पूजा के लिए निसिद्ध माना जाता था सभी को स्वामी रामानंद ने अपनाया, वैष्णव बनाया। भक्ति की ऐसी अविरल धारा बह पड़ी कि इब्राहिम लोदी जैसे क्रूर शासक के समय भी कबीर की मंडली गली मोहल्ले पाखंड का खंडन करते घूमने लगी और उसका बाल बाँका तक नहीं हुआ।

ये वही स्वामी रामानंद हैं जिनके सामने दिल्ली का सिरफिरा शासक मोहम्मद बिन तुगलक शरणागत् हुआ, जजियाकर वापस लिया और उन लाखों-लाख लोगों को पुन: हिंदू धर्म अपनाने की इजाजत दी जिनका जबरिया मुसलमानीकरण कर दिया गया था। स्वामीजी ने रामनाम संकीर्तन और उसके महात्म्य को जनजन तक पहुँचाया। रामकथा के महान प्रवाचक तुलसी स्वामी रामानंदजी के ही वैचारिक वंशधर थे।

आज देश को जरूरत है स्वामी रामानंदाचार्य के नए अवतार की, यह अवतार साधुसंत समाज की ओर से आना चाहिए। आज धर्म के ऊपर ऐसा आडंबर,ऐसा पाखंड छाया हुआ है कि धर्म तत्व और ईश्वरत्व उसी तरह ढँक गया है जैसे पुआल से उर्वर धरती।

गोस्वामीजी ने ऐसी स्थिति पर लिखा है-

हरित भूमि तृण संकुलित समुझि परहि नहिं पंथ।
जिमि पाखंड पुराण ते लुप्त होहिं सद्ग्रंथ।।

आशा पर विश्व कायम है, मैं भी, अवतारवाद पर मुझे पूरा विश्वास है कि कोई पाखंडखंडक भारतभूमि में अवश्य आएगा। लेकिन उसके आने की भूमिका में हम सब अपने-अपने ग्यानचक्षु खोल के रखें, पाखंडियों को पाखंडी और चोरों को चोर कहने का साहस जुटाएं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

स्वर्णा द्वारा निशुल्क वैक्सीनेशन शिविर संपन्न

शिवपुरी- विगत रोज जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा निशुल्क विशाल वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन शहर की जैनम मेडिको महल कॉलोनी पर किया गया जिसमें 100 से अधिक बूस्टर डोज लगाए गए मुख्य अतिथि के रुप में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा द्वारा सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उद्घाटन किया गया और राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित अलका श्रीवास्तव द्वारा किया गया अध्यक्ष प्रियंका शिवहरे ने बताया की इस कैंप के आयोजित करने का मकसद ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों का टीकाकरण कर इस कोरोना से बचाना है। संस्था की ओर से आने वाले समय में टीकाकरण कैंप का आयोजित किया जाएगा। नपा अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने कहा जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा सामाजिक कार्यों में अग्रसर है हर कार्य में जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जाता है उन्होने कहा शहर को ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए ऐसे ही संस्था आगे कार्य करती रहे जिसमे अध्यक्ष जेसी प्रियंका शिवहरे, सचिव जेसी आरती जैन , कोषाध्यक्ष जेसी रुचि मंगल, जेसी नीता श्रीवास्तव, जेसी प्रियंका सोनी, जेसी अंशु अग्रवाल, जेसी माधवी सोनी, जेसी निशा गोयल, बबीता अग्रवाल ,जेसी बबीता बिंदल , जेसी अंजना अग्रवाल एवं जेसीआई की सभी महिलाएं उपस्थित रही अंत में सचिव जेसी आरती जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया

विकास यात्रा का विरोध करेगा सरपंच संघ ,सौंपा ज्ञापन

बदरवास - भाजपा द्वारा चलाई जा रही विकास यात्रा का विरोध सरपंच संघ करेगा। इस आशय का एक ज्ञापन संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया है। संघ का कहना है कि शासन द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत एनएमएमएस एवं एनपीसीआई लागू होने से ग्राम पंचायतों को निर्माण कार्यों को करने में समस्या उत्पन्न हो रही है केन्द्र सरकार एंव प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना में नये नये नियमों का लागू किया जा रहा है जिससे विकास कार्यो मे बाधा उत्पन्न हो रही है। पूर्व की भांति मनरेगा योजना को संचालित किया जावे अन्यथा शासन द्वारा चलाई जा रही विकास यात्रा का पूर्णतः विरोध करते है आज सरपंच संघ के द्धारा जनपद मुख्यलय पर तहसीलदार प्रदीप भार्गव,सीईओ आर एल पिप्पल को मुख्यमंत्री के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण अमित शाह करेंगे

सतना 24 फरवरी को संभावित मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा इस संबंध में रविवार को सांसद गणेश सिंह कलेक्टर अनुराग वर्मा पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता नगर निगम आयुक्त राजेश शाही एवं अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया और गृह मंत्री के दौरे को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड पार्किंग और अन्य व्यवस्था के लिए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया

पेंशनर डे पर सेंट्रल बैंक ने वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

नैनपुर । नैनपुर के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में बैंक परिवार द्वारा पेंशनर्स डे के अवसर पर सभी पेंशनरों का श्री फल और साल देकर सम्मान किया गया और उन सभी सम्मानियों को बैंक के फायदे बताए गए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में उनके लिए को सुविधाएं उपलब्ध हैं उनकी जानकारी दी गई आइए जानते हैं बैंक मेनेजर दीपक जयसवाल ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की ।

गौतम सिंधिया का ऑल इंडिया वूशु टीम के लिए चयन

नैनपुर शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर के क्रीड़ा अधिकारी डॉ रवि यादव ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया है कि महाविद्यालय के बी ए द्वितीय वर्ष के छात्र गौतम सिंधिया का वूशु स्पर्धा में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए चयन हुआ है। यह छात्र चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का प्रतिनिधित्व करेगा। छात्र के ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चयन होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आई के यादव और महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं कार्यालयीन स्टाफ ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए छात्र के उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

भाजपा ने जिले में विधानसभा क्षेत्रवार निकलने वाली विकास यात्राएं के प्रभारी नियुक्त किए

धार । धार जिले में 5 फरवरी से 25 फरवरी तक विधानसभा क्षेत्रवार विकास यात्राएं विभिन्न गांवों तथा शहर के वार्डों और बस्तियों में पहुंचेंगी। इन यात्राओं के सुनियोजित तथा सफल आयोजन के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजीव यादव ने संगठनात्मक समंवयक विधानसभा प्रभारी दायित्व सौंपा गया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि जिले में विधानसभा क्षेत्रवार प्रभारी इस प्रकार है। धार विधानसभा प्रभारी - जिला उपाध्यक्ष आशीष गोस्वामी,बदनावर प्रभारी - भाजपा नेता अशोक जैन, सरदारपुर प्रभारी - पिछड़ावर्ग मोर्चा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नरेंद्र राठौर,धरमपुरी - पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र पटेल,कुक्षी - जिला पंचायत सदस्य चंचल पाटीदार,मनावर - पूर्व मंडल अध्यक्ष राजु श्रीमाली,गंधवानी प्रभारी - पूर्व जिला महामंत्री श्याम नायक को बनाया गया है ।

विधानसभा क्षेत्रवार निकाली जाएगी विकास यात्रा

छतरपुर। छतरपुर जिले में 5 फरवरी से जोश एवं उत्साह से विकास यात्रा के रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिले में विकास यात्रा विधानसभा वार निकाली जाएगी। शहर के ऑडिटोरियम से जनप्रतिनिधियों की उपस्थितियों में विकास यात्रा के रथ को रवाना किया गया है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ललिता यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष पार्वती राजपूत, नपाध्यक्ष श्रीमति ज्योति चौरसिया, कलेक्टर संदीप जी.आर., एसपी सचिन शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमति तपस्या परिहार, एडीएम नमः शिवाय अरजरिया, पूर्व नपाध्यक्ष अर्चना सिंह, मलखान सिंह, एसडीएम विनय द्विवेदी एवं आमजन उपस्थित रहे।

खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों पर उद्यमिता विकास केंद्र की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

होटल रॉयलइन खंडवा में दिनांक 2 व 3 फरवरी को 125 उद्यमी युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

खंडवा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए खंडवा के उद्यमिता विकास केंद्र एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, उद्यानिकी विभाग के माध्यम से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में खंडवा बड़वाह सनावद इंदौर, इत्यादि जिलों के लगभग 125 नव इच्छुक उद्योगकर्मी युवक एवं युवतियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। दो दिवसीय कार्यशाला में स्थानीय उद्यमी युवाओं को विषय विशेषज्ञ द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया कार्यशाला में प्रथम दिन लगभग 125 स्थानीय उद्यमी युवा शामिल हुए खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों पर प्रथम दिन इंदौर से आये विशेषज्ञ नितिन जारस व राजेंद्र अग्रवाल जी द्वारा मशीनों की जानकारी व विभिन्न उद्योगों को कैसे लगाया जाए लागत मार्केटिंग के बारे में बताया अग्रवाल जी द्वारा आयात निर्यात कानूनी प्रक्रियाओं के विषय में चर्चा की गई कार्यक्रम में पधारे श्री दिनेश खरे द्वारा जो प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर हैं ने स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों की विस्तार से जानकारी दी गई जिससे युवाओं को उद्योग लगाने से आय में वृद्धि होगी तथा वह आत्मनिर्भर बन सकेगा और अपनी आय को बढ़ा सकेगा इस अवसर पर उद्यानिकी विभाग से पधारे राजू बड़वाह द्वारा विभिन्न योजनाओं की

जानकारी दी गई उद्यानिकी विभाग की कई स्कीमों की जानकारी दी गई बैंक से पधारे श्री नरेंद्र लोहिया द्वारा शासन की योजनाओं को कैसे प्राप्त करें व वित्तीय सहायता विषय पर चर्चा की गई यह कार्यक्रम खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा उद्यमिता विकास केंद्र खंडवा द्वारा आयोजित था उद्यमिता विकास केंद्र के जिला समन्वयक खंडवा के जमील कुरेशी ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लगाने से युवाओं को स्वरोजगार प्राप्त होगा तथा आय में वृद्धि होगी युवा आत्मनिर्भर बनकर अपनी स्वयं की आय और देश की आय को बढ़ा सके कार्यक्रम के समापन अवसर पर स्थानीय महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया और उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला समय-समय पर होना चाहिए जिसमें युवा उद्योग लगाकर अपनी आय बढ़ा सके और दूसरों को स्वरोजगार प्रदान कर सके

जिला स्तर पर मनाया गया संत रविदास जयंती का कार्यक्रम

खण्डवा ।- संत रविदास जयंती का कार्यक्रम जिला स्तर पर कलेक्टर सभागृह खण्डवा में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंडवा संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, खंडवा विधायक श्री देवेंद्र वर्मा, महापौर श्रीमती अमृता यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कंचन तनवे तथा विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के द्वारा संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही कन्या पूजन कार्यक्रम भी जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कुलदीप फरे के द्वारा संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार संत रविदास जी संत बने और मन चंगा तो कठौती में गंगा का प्रादुर्भाव कैसे हुआ। श्री नानूराम मांडले द्वारा बताया गया कि संत रविदास जी द्वारा सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाया गया और मनुष्य को कर्म पर निर्भर रहना चाहिए। श्री मुकेश तनवे द्वारा बताया गया कि संत रविदास जी के आदर्शों पर चलकर हम समाज में पारस्परिक मैत्री भाव तथा सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कंचन तनवे द्वारा संत रविदास जी द्वारा किए गए प्रयासों से हुए सामाजिक बदलाव को बताया गया।

कार्यक्रम में संत रविदास योजना के तथा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी योजना के हितग्राहियों को भी लाभान्वित कर स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कलेक्टर श्री अनूप सिंह द्वारा संत रविदास जी के आदर्शों को समझाया गया। अंत में सहायक आयुक्त श्री विवेक पांडे द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के उत्थान के लिए मध्य प्रदेश शासन के द्वारा चलाई गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नंदा भलावे कुशरे, अपर कलेक्टर श्री एस.एल. सिंघाड़े सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि व विभिन्न विभागों के जिलाधिकारीगण उपस्थित

नि:शुल्क जांच एवं उपचार स्वास्थ्य शिविर के साथ हुआ विकास यात्रा का शुभारंभ

8495 मरीज हुए लाभान्वित, तुरंत मिले दिव्यांगता प्रमाण पत्र

बैरसिया। संत शिरोमणि रविदास जयंती के अवसर पर रविवार को बैरसिया के दशहरा मैदान और कन्याशाला में बैरसिया विधायक विष्णु खत्री के द्वारा चिरायु मेडिकल कॉलेज के सहयोग से भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इसी दौरान बैरसिया विधानसभा में विकास यात्रा का भी बिगुल बज गया है।

शिविर सुबह 9 बजे से शुरू कर दिया गया था। इसमें चिरायु मेडिकल कॉलेज की ओर से सरोजनी नायडू कन्याशाला भवन में आस्थाई सम्पूर्ण अस्पताल तैयार किया गया था। इसमें एक्स-रे मशीन, सोनोग्राफी मशीन, इको, ईसीजी मशीनों के अलावा पैथालॉजी लेब का पूरा सेटअप जमाया गया था। शिविर में मरीजों की निःशुल्क जांच एवं निःशुल्क उपचार किया गया। खासबात यह है कि इस शिविर के दौरान विधायक विष्णु खत्री पूरे समय अपनी नज़र रखे रहे, ताकि कही किसी तरह की अव्यवस्था न हो। इनके अलावा बैरसिया एसडीएम आदित्य जैन, जनपद पंचायत सीईओ दिलीप जैन, तहसीलदार संतोष मुदगल, नायब तहसीलदार सुनील शर्मा, थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी, नगर पालिका सीएमओ जाहिद अली सहित कई समाजसेवी संस्थाओं के सदस्य अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाते भी नजर आए।

शिविर में क्षेत्र के करीब 8495 मरीजों लाभ प्रदान किया गया। इस शिविर में चिरायु मेडीकल कॉलेज की और से 5400 मरीजों पंजीयन किया गया तो वहीं 2200 मरीजों की फ्री जांच की गई। इसके साथ ही 325 मरीजों की सोनोग्राफी और 650 मरीजों का एक्स-रे किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष विभाग की ओर से 1504 मरीजों का इलाज किया गया। खासबात यह है कि मेडिकल बोर्ड की ओर से लगभग 650 दिव्यांगों को तुरंत दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। इसमें 40 दिव्यांगों को कृतिम अंग एवं ट्राय सायकिल प्रदान की जाएगी। शिविर में 50 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गए।

भाजपा देश को जोड़ने का काम करती है

सतना भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा जी का वार्ड नंबर 7 में स्वागत किया गया अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा। देश और समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है अब हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम भी देश और समाज को कुछ दें। जहां तक भारतीय जनता पार्टी का सवाल है तो भाजपा ने हमेशा ही देश और समाज को जोड़ने का काम किया है। यह बात पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने वार्ड क्र. 7 भरहुत नगर में आयोजित अपने स्वागत समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत समारोह वार्ड के पार्षद व एमआईसी सदस्य आदित्य यादव व उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया था। स्वागत समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी मंडल के अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने की। इस दौरान भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रहलाद कुशवाहा, पूर्व पार्षद भगवती पांडेय, पूर्व जिला योजना समिति सदस्य व पार्षद नीरज शुक्ला, सौरभ नायक मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन एसजी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा भारत को एक और सर्वश्रेष्ठ भारत बनाने के लिए कृत संकलिप्त है और उसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश की छवि बदली है, भाजपा जिलाध्यक्ष ने काम से पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं राजनीति में नेता बनने नहीं सेवा करने आया हूं। देश व समाज

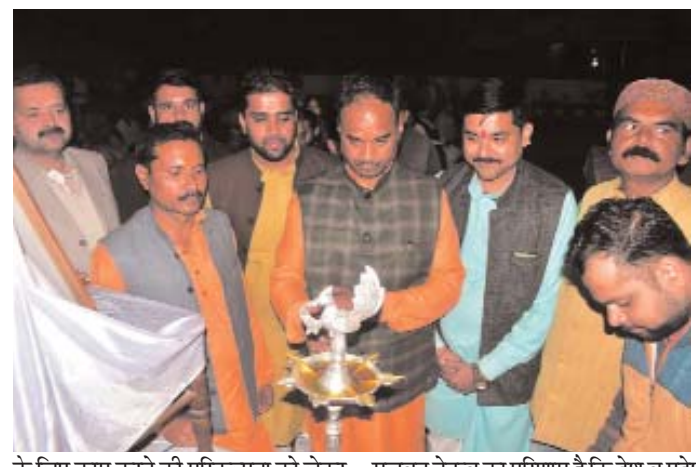

के लिए काम करने की परिकल्पना को लेकर मैं काम कर रहा हूं। आज जो कुछ भी हूं मैं पार्टी के कार्यकर्ता व जनता के स्नेह की वजह से हूं। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत करते हुए पार्षद व कार्यक्रम आयोजक आदित्य यादव ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा दल है जिसमें एक साधारण कार्यकर्ता शीर्ष पद पर विराजमान हो सकता है। इसका उदाहरण नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हैं वे एक नामदार नहीं बल्कि कामदार नेता हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा ही समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए काम किया है। यह पार्टी के विश्वसनीय व मजबूत नेतृत्व का परिणाम है कि देश व प्रदेश दोनों जगह भाजपा की सरकार है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों का शाल-श्रीफल देकर जहां स्वागत किया गया वहीं संगीत के क्षेत्र में सतना का नाम समूचे देश व प्रदेश में गौरवान्वित करने वाले डा. विनोद मिश्रा (नेमुआ निवासी) का भी सम्मान किया गया।

ये रहे मौजूद इस दौरान गिरीश अग्रवाल, शिब्बू त्रिपाठी, निशाकांत शुक्ला, राजू श्रीवास्तव, राहुल दाहिया, आशीष दुबे, संजय कापड़ी, डा. एसबी सिंह, हेमंत डेनियल, रमाशंकर शुक्ला, शैलेन्द्र मिश्रा, संजय पांडेय, उपेन्द्र तिवारी, अमर सिंह समेत बड़ी संख्या में मातृ शक्ति और वार्डवासी मौजूद रहे।

मोदी सरकार ने बजट के माध्यम से जनजाति लोंगो को सबसे बड़ी सौगात- सांसद दरबार

आम बजट में हर वर्ग को राहत देते हुए विकसित भारत की कल्पना को साकार करने बजट: राजीव यादव

धार । केंद्र की नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने विगत दिनों आम बजट में हर वर्ग को राहत देते हुए विकसित भारत की कल्पना को साकार करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह बात भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव यादव ने कही। बजट तथा विकास यात्रा को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बजट दूरदर्शी बजट है। मध्यम वर्गीय लोगों को टैक्स में छूट के साथ रेलवे तथा प्रधानमंत्री आवास जैसी महत्वपूर्ण योजना के लिए इस बजट में धन आबंटन को बढ़ाया गया। शिक्षा रक्षा कृषि महिलाओं युवाओं बुजुर्ग के लिए बजट में अनेक ऐसे प्रावधान हैं जो भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए रखे गए हैं। पत्रकार वार्ता में सांसद छतर सिंह दरबार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव यादव ,विधायक श्रीमती नीना,भाजपा नेता मोहन भायल ,श्याम नायक ,विश्वास पांडे ,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,सह प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी मौजूद रहे।

सांसद छतर सिंह दरबार ने कहा कि मोदी सरकार ने बजट के माध्यम से जनजाति लोंगो को सबसे बड़ी सौगात दी है जिले से निकलने वाली रेल परियोजना इंदौर -दाहोद के लिए 440 करोड़ और धार -छोटा उदयपुर रेल लाइन को 355 करोड़ रुपये स्वकृति हुई है यह स्वीकृत राशि अब तक की सर्वाधिक राशि है। यह बजट गाँव, गरीबों,किसानों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, शोषितों, वंचितों, दिव्यांगजनों, आर्थिक रूप से पिछड़े तथा मध्यम वर्ग के लोगों को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है। यह ग्राम विकास, कृषि विकास,श्रमिक कल्याण, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी क्षेत्रों सहित पूरे देश के समग्र विकास को समर्पित बजट है। ऐसे सर्व-स्पर्शी, सर्व-समावेशी एवं देश के जन-जन और हर क्षेत्र के सर्वांगीण कल्याण के प्रति समर्पित आम बजट के लिए हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी एवं उनकी पूरी टीम का हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

विधायक श्रीमती नीना वर्मा ने कहा कि देश को नई दिशा देने वाला केंद्रीय बजट है दुनिया मे कोरोना से बिगड़ी अर्थव्यवस्था के बीच केंद्र सरकार ने जिस साहस का परिचय दिया वह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा बजट से देश को क्या फायदा हुआ यह कुछ ही महीनों में सामने होगा। बच्चों की पढ़ाई से लेकर विवाह तक की योजनाओं का लाभ सरकार ने दिया है। हर गरीब को मकान हर बच्चे को शिक्षा युवाओं को रोजगार महिलाओं के लिए बचत योजनाओं के साथ साथ सड़क रेल के क्षेत्र में बड़ी योजनाओं से देश के हर व्यक्ति को लाभ होगा। मुफ्त अनाज की योजना को आगे बढ़ा कर केंद्र सरकार ने गरीबों की चिंता की आयुष्मान जैसी योजनाओं के लिए टारगेट को बढ़ाया गया है। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से धार नगर को नर्मदा का जल व जिला मुख?यालय धार पर मेडिकल कालेज होने जा रहा है।

पत्रकार वार्ता में 5 फरवरी से आयोजित विकास यात्रा को लेकर जिलाध्यक्ष राजीव यादव ने बताया कि विकास यात्रा इसीलिए है ताकि हम जनता को बता सकें कि देश और प्रदेश में सरकार ने क्या किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हर वर्ग को ध्यान में रखकर कार्य किये लिहाजा हम जनता को अपनी उपलब्धियों को बता रहे हैं। साथ ही कांग्रेस के झूठ के प्रपोगंडा का जवाब भी हमारे जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं के द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 5 फरवरी सन्त रविदासजी जयंती से 20 फरवरी तक यह विकास यात्रा जिले की सातों विधानसभा क्षेत्र में चलेंगी। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी

कैंसर अब असाध्य नहीं बल्कि सतर्कता जरूरी है : बीआर श्रीवास्तव

छतरपुर। विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में शहर के संजीवनी हॉस्पिटल में लायंस क्लब का कैंसर निदान एवं परामर्श शिविर का आयोजन कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान ग्वालियर के कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. बीआर श्रीवास्तव एवं उनकी टीम की मौजूदगी में किया गया। इस मौके पर लगभग एक सैकड़ा कैंसर पीड़ित मरीजों को उपचार एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

रविवार को सुबह करीब 11 बजे निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इस मौके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छतरपुर जिला अस्पताल में पदस्थ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. शालू वर्मा सहित ग्वालियर से आए चिकित्सक डॉ. मोनिका दीवान, डॉ. ओमेंद्र भूषण, डॉ. पुष्पेंद्र जाटव, डॉ. संदीप, डॉ. गुंजन श्रीवास्तव, संजीवनी हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. मनदीप मेडिया, श्रेया शर्मा, जिला चिकित्सालय में पदस्थ आर्थोपेडिक डॉ. आरके सोनी एवं लायंस क्लब के रीजन चेयरपर्सन भगवतशरण अग्रवाल का लायंस क्लब के अध्यक्ष सचिन अग्रवाल, सचिव नर्मदा प्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, कृष्णा रावत, संजीव आर नगरिया, बृजेश अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, सोमेश गुप्ता ने स्वागत किया। इस मौके पर कैंसर रोग स्पेशलिस्ट डॉ. बीआर श्रीवास्तव ने कहा कि कैंसर पहले असाध्य रोग माना जाता था क्योंकि उस समय उसकी पहचान आसान नहीं थी लेकिन अब मशीनरी के युग में जल्द ही ऐसे लक्षणों की पहचान हो जाती है बशर्ते रोगी को स्वयं अपने रोग के प्रति एलर्ट होना पड़ेगा। कैंसर रोग के लक्षण समझ में आने पर तत्काल ही उपचार की व्यवस्था की जाए तो निश्चित ही इस भयंकर रोग पर विजय पाई जा सकती है। इस मौके पर कैंसर विशेषज्ञ डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने कहा कि कई महिलाओं को ब्रेस्ट केंसर की शिकायत पाई जाती है लेकिन वे शर्मिंदगी अथवा झिझक के कारण अपनी समस्या बता नहीं पाती, यह गलत है उन्हें स्वयं जागरूक होकर अपनी समस्या डाक्टर के समक्ष बतानी चाहिए। उन्होंने गुटखा आदि का सेवन करने वाले लोगों को चेताया कि न स्वयं गुटखे का सेवन करें और न ही किसी को करने दें इसके प्रति जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है। चिकित्सकों के उदबोधन पश्चात मरीजों का उपचार व परामर्श किया गया। इस दौरान लगभग एक सैकड़ा मरीजों की जांच की गई। शिविर में नाक, कान, गला, दांत आदि की शिकायतों की जांच की गई तो वहीं महिलाओं ने भी महिला डाक्टर्स को अपनी रोग आदि की समस्याओं से अवगत कराया। शिविर के समापन पश्चात लायंस क्लब के सदस्यों ने ग्वालियर से आई चिकित्सकों की टीम को स्मृति चिंह भेंट किए।

लायंस क्लब के सौजन्य से आयोजित निःशुल्क कैंसर जांच शिविर में ग्वालियर से आई चिकित्सकों की टीम को स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के अध्यक्ष शंकरलाल सोनी, सुरेंद्र अग्रवाल, संपूरन सिंह, मानसिक रोगियों के समाजसेवी संजय शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिंह भेंटकर सम्मान किया। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष शंकर सोनी ने बुंदेलखंड के जलियां वाला बाग के बारे में चिकित्सकों को जानकारी दी एवं ग्वालियर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बीआर श्रीवास्तव के उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उनकी टीम को सम्मानित किया।

चैलेंज को स्वीकार करो सफलता आसानी से मिलेगी : कुलसचिव

छतरपुर। शहर के अवंतीबाई स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे पं. बीपी दीक्षित स्मृति खेल महोत्सव का समापन रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जेपी मिश्रा थे जबकि अध्यक्ष कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एलएल कोरी ने की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर पं. देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जे. सोनी, कन्या महाविद्यालय के प्राध्यापक पीके दीक्षित, डॉ. शशिकांत अवस्थी, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीकांत द्विवेदी उपस्थित रहे। इस मौके खेल महोत्सव के अव्वल प्रतिभागियों को स्मृति चिंह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं पं. बीपी दीक्षित के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया तत्पश्चात व्हीएव्ही ग्रुप ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर अशोक दीक्षित ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए व्हीएव्ही ग्रुपऑफ कॉलेज की प्रगति का ब्यौरा देते हुए कॉलेज के एक छात्र को दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल मिलने पर बधाई दी। वीरांगना अवंतीबाई महाविद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर शुभम दीक्षित सहित प्रोफेसर्स स्टाफ ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. एलएल कोरी ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की उत्तरोत्तर वृद्धि की कामना कर खेल महोत्सव के खिलाड़ियों और अन्य विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. जेपी मिश्रा ने कहा कि ये हर्ष का विषय है कि इस महाविद्यालय के छात्र ने गोल्ड मेडल हासिल किया है। ये प्रेरणा के क्षण होते हैं। उससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेना चाहिए। ऐसे आयोजन प्रेरणास्पद होते हैं। यदि आप लगन से आगे बढ़ते हैं तो निश्चित ही आपको मुकाम हासिल होगा। उन्होंने कहा कि चैलेंज को हमेशा स्वीकार करना चाहिए। आलोचना से स्वयं के व्यक्तित्व में निखार आता है बशर्ते आलोचना मुख पर होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नसीहत दी कि ऊंचाईयों पर जाने का हौंसला रखो मंजिल अपने आप मिल जाएगी।

वीरांगना अवंतीबाई महाविद्यालय में आयोजित खेल महोत्सव के समापन अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तो विद्यार्थी सहित अभिभावक लगभग छह घंटे तक कार्यक्रमों के मोहपाश में बंधे रहे। फिल्मी धुनों पर बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किए तो महारानी लक्ष्मीबाई के त्याग और बलिदान के नृत्य ने देशभक्ति का जज्बा भर दिया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत हास्य नृत्य पर सभी दर्शक लोटपोट हो गए।

बाजार में उठापटक, अडानी विवाद या षड्यंत्र पर राजनीतिक हंगामा

आलोक मेहता

ईमानदारी और स्पष्टवादिता के लिए युवा तुर्क से प्रधान मंत्री बने चंद्रशेखर ने अपनी आत्म कथा (जीवन जैसा जिया) में बोफोर्स कांड पर लिखा था ङ्क' विश्वनाथ सिंह और उनके जनमोर्चा के नेताओं ने बोफोर्स को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया। उस समय मैंने यह बात कही थी कि यह एक सब इंस्पेक्टर का काम है। पहले जांच हो।इसमें अगर कोई दोषी साबित होता है, तो उस पर मुक़दमा चले और उसमें कोई दखलंदाजी नहीं हो। मैं समझाता हूँ कि इस सवाल पर संसद का समय बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। मुझे ऐसा लगता है कि इस मुद्दे पर राजीव गांधी से भी भूल हुई। वह यह कि उन्होंने संसद में बार बार दोहराया कि मैंने या मेरे परिवार या मेरे निकट के किसी आदमी ने कमीशन नहीं लिया है। इस बारे में मेरा शुरुआती बयान था वही सच साबित हुआ।

अब भारत के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी और उनके व्यापारिक समूह पर एक अमेरिकन कंपनी की रिपोर्ट से शेयर मार्केट में आए तूफ़ान तथा भारतीय बैंकों तथा जीवन बीमा निगम की पूंजी को लेकर उठे राजनीतिक विवाद पर मुझ जैसे पत्रकारों को पिछले दशकों में उठे विवादों और सरकारों पर प्रभाव की घटनाओं का ध्यान आता है। इसीलिए चंद्रशेखरजी की याद भी आई। हमें इस पूरे विवाद में किसी गड़बड़ी पर किसी जांच या दोषी लोगों या कंपनी पर कार्रवाई पर भी कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन पुराने सन्दर्भों में इस समय सर्वाधिक उत्तेजित राहुल गांधी तथा उनकी पार्टी के नेता ठक्कर नटराजन न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को याद दिलाया जा सकता है, जिसमें बताया गया था कि वी पी सिंह ने राजीव सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए विवादास्पद अमेरिकन कम्पनी फेयरफेक्स को गाँधी परिवार और उनके करीबी लोगों के आर्थिक संबंधों की गोपनीय जांच के लिए ठेका दिया था और वह कोई ठोस तथ्य नहीं जुटा पाई। इस कम्पनी में अमेरिकन गुप्तचर एजेंसी के कुछ लोगों के प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष जुड़े होने के आरोप भी थे। वर्तमान विवाद के दौरान भी अमेरिकन कथित रिसर्च कंपनी के पूर्वाग्रह, निहित आर्थिक स्वार्थ और भारत की आर्थिक राजनीतिक स्थिरता पर आंच डालने जैसी आशंकाएं भी व्यक्त की जा रही हैं। सरकार फिलहाल यही कह रही है कि एक समूह के उतार चढ़ाव से उसका कोई लेना देना नहीं है और रिजर्व बैंक तथा अन्य स्वतंत्र वित्तीय संस्थाएं आवश्यक जांच पड़ताल कर रही हैं।

वित्तीय और राजनीतिक विवाद पर हर्षद मेहता के शेयर घोटाले में तत्कालीन कांग्रेसी प्रधान मंत्री नरसिंह राव पर एक करोड़ रुपये लेने के गंभीर आरोप का ध्यान भी आता है। बाद में जांच पड़ताल से हर्षद मेहता झूठा साबित हुआ। वह स्वयं दोषी पाया गया और जेल भी गया। लेकिन सड़क से संसद तक हंगामे में राव दोषी नहीं पाए गए। नेहरु के सत्ता काल में दो ऐसे विवाद सामने आए थे। उनके एक मंत्री केशव देव मालवीय पर पार्टी के एक नेता के चुनाव में एक कंपनी से छोटी सी आर्थिक सहायता का आरोप लगा था, जो बाद में गलत साबित हुआ। स्वतंत्रता सेनानी गांधीवादी मालवीयजी ने दुखी मन से इस्तीफा अवश्य दे दिया था। हाँ एक दूसरा विवाद दिलचस्प है। राहुल गाँधी के दादा फ़िरोज़ गाँधी ने नेहरु सरकार द्वारा मुंधड़ा व्यापारिक समूह को जीवन बीमा निगम द्वारा नियमों के विपरीत आर्थिक सहयोग दिए जाने पर संसद में हंगामा कर दिया था। नेहरु इन आरोपों का खंडन करते रहे। लेकिन उनको अनावश्यक संकट से बचाने के लिए उनके वित्त मंत्री टी टी कृष्णमाचारी ने इस्तीफ़ा दे दिया था। अब भी जीवन बीमा निगम द्वारा अडानी समूह को ऋण दिए जाने को मुद्दा बनाया जा रहा है। लेकिन जीवन बीमा निगम ने इस बार कोई वित्तीय सहायता आदि नहीं दी है, बल्कि अडानी समूह की संपत्ति के एक हिस्से को गिरवी रखकर कर्ज दिया है। बाजार के उतार चढ़ाव से निगम को कोई नुकसान नहीं हो रहा है।

बहरहाल, प्रतिपक्ष को राजनीतिक हमले का मुद्दा मिल गया है। अडानी अंबानी समूह को लेकर प्रतिपक्ष पहले से सरकार पर आरोप लगाता रहा है। लेकिन सरकार ही नहीं इन समूहों या अन्य पर्यवेक्षकों का यह तर्क भी सही है कि मोदी सरकार से पहले कांग्रेस तथा अन्य दलों की सरकारों के दौरान ऐसे कई औधोगिक ङ्क व्यापारिक समूहों को हर संभव बढ़ावा दिया गया। अंबानी अडानी समूह तो कांग्रेस के सत्ता काल में ही पले, फले, फूले। सत्तर के दशक तक केवल टाटा बिड़ला या डालमियां व्यापारिक समूहों का नाम लिया जाता था। कम्युनिस्ट और श्रमिक संगठन इन समूहों और कांग्रेस के संबंधों पर आरोप लगाते रहते थे। फिर राजीव गाँधी से मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकारों के दौरान अंबानी अडानी समूह तेजी से आगे बढ़ते रहे। केंद्र में मोदी सरकार के रहते राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने इन दोनों समूहों को निर्माण या ऊर्जा, संचार आदि क्षेत्रों में काम के बड़े ठेके दिए। इसलिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा सरकारों से अन्य कंपनियों के साथ इन समूहों के भी आगे बढ़ने पर सवाल उठने को कहाँ तक उचित कहा जा सकेगा? इसी तरह केरल में मार्क्सवादी या बंगाल में टी एम् सी या तेलंगाना ङ्क आंध्र की सरकारों ने भी ठेके दिए हैं। केंद्र या राज्यों में भ्रष्टाचार या गड़बड़ी की जांच या अदालती कार्रवाई कभी भी हो सकती है, लेकिन राजनीतिक हंगामों और गैर प्रामाणिक बातों को उछाले जाने से देश की अर्थ व्यवस्था को भी नुकसान होने का खतरा रहता है। भारत में विदेशी पूंजी निवेश और आर्थिक विकास में भी बाधा आती है। हाल के वर्षों में तो दुनिया के कई संपन्न विकसित देशों में भारतीय कम्पनियाँ अपनी पूंजी लगाकर काम पा रही हैं। यहाँ तक कि करीब 15 वर्ष पहले चीन के शंघाई की औद्योगिक बस्ती में भारत की कंपनियों के कुछ कारखाने देखने का अवसर मुझे भी मिला है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जर्मनी के साथ भी भारतीय कंपनियों के आर्थिक सम्बन्ध हैं। ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, रुस, दक्षिण कोरिया, जापान के साथ कई भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। जैसे देशों इसलिए संवेदनशील मुद्दों पर अधिक जिम्मेदारी से आवाज उठनी चाहिए।

राजेश एक्सपोर्ट्स ने 5 जीडब्ल्यूएच लिथियम सेल फैक्ट्री के लिए केंद्र और कर्नाटक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

मुंबई, एजेंसी। राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज़ (भारत सरकार), डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रीज़ एंड कॉमर्स (कर्नाटक सरकार) और एसीसी एनर्जी स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते के निष्पादन पर राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के उन्नत प्रौद्योगिकी ऊर्जा समाधान व्यवसाय में महत्वपूर्ण गति प्राप्त हुई। राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को भारत सरकार द्वारा पीएलआई योजना के तहत उन्नत रसायन प्रकोष्ठों के उत्पादन के लिए 18,100 करोड़ रुपये के तीन सफल प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुना गया है। पीएलआई योजना की आवश्यकता के अनुसार राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड ने लिथियम लोन बैटरी के निर्माण के लिए उन्नत रसायन लिथियम आयन सेल के निर्माण द्वारा परियोजना के निष्पादन के लिए एसीसी एनर्जी स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से 100त्न सहायक कंपनी को शामिल किया है। त्रिपक्षीय समझौते को निष्पादित किया गया है जिसमें मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज़, भारत सरकार ने 5 जीडब्ल्यूएचआर गीगा फैक्ट्री की स्थापना के लिए सभी ज़रूरी सहायता का आश्वासन दिया है। उद्योग और वाणिज्य विभाग, कर्नाटक सरकार ने भी गीगा फैक्ट्री की स्थापना के लिए सभी आवश्यक समर्थन और अनुकूलित प्रोत्साहन पैकेज का आश्वासन दिया है और साथ ही एसीसी एनर्जी स्टोरेज ने आवश्यक समय सीमा के भीतर परियोजना को निष्पादित करने का बीड़ा उठाया है। राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के अध्यक्ष श्री राजेश मेहता ने कहा कि, ग्लोबल गोल्ड बिज़नेस का नेतृत्व करते हुए, आरईएल विश्व को स्वच्छ और हरित ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से ऊर्जा भंडारण हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों में प्रवेश कर रहा है। ऊर्जा भंडारण के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों में एक अग्रणी वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभरने के लिए आरईएल सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

दिसंबर तिमाही में बिरला कॉर्पोरेशन का तुलनात्मक राजस्व 9 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता, एजेंसी। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की दिसंबर तिमाही में कंसोलिडेटेड राजस्व तुलनात्मक आधार पर 9 प्रतिशत की दर से बढ़कर 1,911 करोड़ रुपये हो गया, लेकिन उच्च ईंधन लागत से कंपनी की लाभप्रदता प्रभावित हुई। कंपनी का 2,024 करोड़ रुपये का कुल राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक था, जिसमें मुकुटबन इकाई (कंपनी की सहायक कंपनी, आरसीसीपीएल) की बिक्री शामिल है, जिसने चालू वित्त वर्ष में कमर्शियल उत्पादन शुरू किया था। तिमाही के लिए मात्रा के हिसाब से कंसोलिडेटेड सीमेंट की बिक्री साल-दर-साल 11 प्रतिशत बढ़कर 3.72 मिलियन टन हो गई। दिसंबर तिमाही के लिए सीमेंट की उत्पादन लागत मुख्य रूप से बिजली और ईंधन के कारण पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक थी, जिसके परिणामस्वरूप तुलनात्मक आधार पर कम नकद लाभ हुआ, जो कि पिछले साल से 32 प्रतिशत कम होकर 115 करोड़ रुपये था। हालांकि मुकुटबन परियोजना के साथ कंपनी विस्तार को तेज कर रही है और मूल बजट की तुलना में निचले स्तर पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को काफी कम स्तर पर नियंत्रित किया गया है। सीमेंट इंडस्ट्री पर असाधारण लागत के दबाव ने समग्र वित्तीय प्रदर्शन को कम कर दिया है।

ओप्पो रेनो8 टी 5जी अपनी कवर्ड स्क्रीन और 108 मेगापिक्सल के कैमरा के साथ ज्यादा बेहतर यूज़र अनुभव प्रदान करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्रणी ग्लोबल स्मार्ट डिवाईस ब्रांड, ओप्पो ने आज भारत में 29,999 रु. में रेनो8 टी 5जी लॉन्च किया। यह ब्रांड आरएंडडी एवं टेक्नॉलॉजी इनोवेशन में अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर है, जिनके द्वारा ऐसे स्मार्टफोन का निर्माण होता है, जो यूज़र को बाकी सबसे बेहतर अनुभव प्रदान करे। रेनो8 टी के साथ ओप्पो ने डिज़ाईन, डिस्प्ले, कैमरा, परफॉर्मेंस, और बैटरी की अपनी होमग्रोन टेक्नॉलॉजी के साथ स्मार्टफोन हार्डवेयर को बेहतर बनाकर अपने यूज़र्स के लिए एक प्रीमियम रेनो अनुभव का निर्माण किया है। रेनो8 टी 5जी में एक कर्व्ड डिज़ाईन है, जो सुंदरता के साथ आरामदायक इन-हैंड फील प्रदान करता है। इसकी स्क्रीन 56 डिग्री के कर्व और 1.9 मिमी. की आर्क ऊँचाई के साथ बहुत आरामदायक ग्रिप प्रदान करती है। इस स्मार्टफोन के डिज़ाईन में एक ऑल-न्यू रियर पैनल है, जो गोल किनारों के साथ डैकोरेटिव स्ट्रिप में थोड़े उठे हुए ड्युअल-कैमरा मॉड्यूल को वर्टिकली अलाईन करता है। यह डिवाईस दो फिनिश - सनराईज़ गोल्ड और मिडनाईट ब्लैक में उपलब्ध है, यह अपने फिंगरप्रिंट-प्रूफ बैक कवर पर चमचमाते क्रिस्टल इफेक्ट के लिए ओप्पो ग्लो प्रक्रिया का उपयोग करता है। रेनो8 टी 5जी अपने सेगमेंट का सबसे स्लिम और हल्का हैंडसेट है, जो केवल 7.7 मिमी. पतला और 171 ग्राम वजन का है।

जब अडाणी जैसी सिचुएशन में फंसे थे धीरूभाई अंबानी

रिलायंस को बचाने और पलटवार का 40 साल पुराना रोचक किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। अडाणी मुसीबत में हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद उनकी कंपनियों के शेयर्स औंधे मुंह गिरे हैं। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में वो तीसरे नंबर से 17वें नंबर पर खिसक गए हैं। लोगों के मन एक ही सवाल है- अडाणी बाउंस बैक कैसे करेंगे। हमने शेयर मार्केट के इतिहास के पन्ने टटोले तो पता चला कि कुछ ऐसी ही सिचुएशन में एकबार धीरूभाई अंबानी भी फंसे थे। जब कोलकाता के बियर कार्टल ने रिलायंस के शेयर गिराने की पूरी कोशिश की थी। इस स्टोरी की ज्यादातर बातें ऑस्ट्रेलिया के पत्रकार हामिश मैक्डोनाल्ड की लिखी किताब 'अंबानी एंड संस' और गीता पीरामल की किताब 'बिजनेस महाराजास' से ली गई हैं।

शेयर बाजार में एंट्री करते ही अंबानी ने कमाया था 7 गुना ज्यादा मुनाफा- नवंबर 1977 की बात है। धीरूभाई अंबानी ने अपनी कंपनी रिलायंस को शेयर मार्केट में रजिस्टर करने का फैसला किया। इस वक्त रिलायंस ने 10 रुपए शेयर की दर से करीब 28 लाख इक्विटी शेयर जारी किए। किसी शेयर को बेचने की शुरुआत इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी ढ्ढक्क से होती है। ढ्ढक्क जारी होते ही रिलायंस के शेयरों ने धमाल मचा दिया। अपनी कंपनी के शेयर में लोगों की दिलचस्पी को देखते हुए अंबानी का इरादा और ज्यादा मजबूत हो गया। जल्द ही अंबानी शेयर बाजार की बारीकियों को समझ गए। शेयर बाजार में कंपनी और दलाल जो खेल करते थे, उन्हें पता चल गया।

एक साल बाद 1978 में रिलायंस कंपनी के शेयर की कीमत 5 गुना ज्यादा बढ़कर 50 रुपए हो गई। फिर 1980 में एक शेयर की कीमत 104 और 1982 आते-आते 18 गुना बढ़कर 186 रुपए हाई पर पहुंच गई। यही वो समय था, जब अंबानी देश और दुनिया के शेयर दलालों की नजरों में खटकने लगे। फिर कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद अंबानी शेयर बाजार के मसीहा बन गए थे।

जब कोलकाता के शेयर दलालों ने अंबानी का अडाणी जैसा हाल कर दिया था- शेयर बाजार के बड़े दलालों के लिए दो शब्द खूब इस्तेमाल होते हैं। एक बियर यानी भालू और दूसरा बुल यानी बैल। अब पहले इन दोनों के बारे में जान लीजिए शेयर मार्केट का बियर यानी भालू- शेयरों की कीमत गिराकर उसे दोबारा खरीदने से मुनाफा कमाते हैं, उन्हें अंग्रेजी में 'बियर' यानी भालू कहा जाता है।

शेयर मार्केट का बुल यानी बैल- जो लोग शेयर खरीदकर उनके दाम बढ़ाते हैं और फिर उसे ऊंची कीमत पर बेचकर मुनाफा कमाते हैं, उन्हें अंग्रेजी में 'बुल' यानी बैल कहा जाता है।

1982 में रिलायंस के शेयर की कीमत धूम मचा रही थी। रिलायंस कंपनी के साथ 24 लाख से अधिक निवेशक जुड़ चुके थे। इसी समय रिलायंस ने निवेशकों से पैसे उधार लेने के लिए डिबेंचर्स जारी किए। दरअसल, डिबेंचर्स कंपनियों के लिए कर्ज के जरिए पूंजी जुटाने का तरीका है। डिबेंचर्स खरीदने वालों को कर्ज देने के बदले उनके पैसे पर एक निश्चित ब्याज मिलता है।

भारत जोड़ो यात्रा का देश और प्रदेश में व्यापक प्रभाव पड़ेगा: मानक अग्रवाल

कांग्रेस से भाजपा में गए विधायक नहीं जीत पाएंगे 2023 विधानसभा चुनाव

इटारसी। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष मानक अग्रवाल एक दिवसीय प्रवास पर इटारसी पहुंचे यहां उन्होंने मिहानी कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को पूरे देश में व्यापक जनसमर्थन मिला है यात्रा का प्रभाव आगामी चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से भाजपा में गए विधायक इस बार विधानसभा में चुनाव नहीं जीत पाएंगे। मानक अग्रवाल रविवार को पत्रकारों के बीच उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार इटारसी पहुंचे थे। अग्रवाल ने कहा कि भाजपा से लोगों का मोहभंग हो चुका है, कांग्रेस को पूरे देश और प्रदेश में भारी जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नर्मदा पुरम जिले की चारों विधानसभा सीटों पर विजय के साथ ही प्रदेश में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। एक सवाल के जवाब में मानक अग्रवाल ने कहा कि पूरी कांग्रेसी एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस में पुनः वापसी पर उनका कहना था कि कमलनाथ जी से मेरा कोई मनभेद या मतभेद नहीं था केवल चौरसिया को कांग्रेस में शामिल करने को लेकर वैचारिक मतभेद था वह भी उनसे मिलने के बाद स्पष्ट हो गया, आज पूरी कांग्रेस एक है। जब उनसे पूछा गया कि आप चुनाव लड़ेंगे या किसी को लगाएंगे इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मैं तो कांग्रेस का एक सच्चा सिपाही हूं पार्टी जो आदेश करेंगी वह शिरोधार्य होगा। इटारसी के मामले में उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से इटारसी का विकास लगभग ठप हो चुका है केंद्र से भरपूर पैसा आता है उसके बाद भी जितना विकास इस विधानसभा क्षेत्र का होना था उतना नहीं हुआ अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो क्षेत्र के साथ ही प्रदेश का विकास तेजी के साथ होगा। जब उनसे पूछा गया कि आप किस आधार पर कह रहे हैं कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो उनका कहना था कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केवल झूठ और झूठी घोषणाओं के दम पर वाहवाही लूटते हैं, उनके वादों में हकीकत नहीं होती वह केवल और केवल झूठे वादे लोगों से करते हैं झूठा ख्वाब दिखाते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान से भाजपा के कार्यकर्ता ही रुष्ट हो गए हैं, मंत्री और मुख्यमंत्री उनके काम नहीं करते, आगामी चुनाव में यही भाजपा के कार्यकर्ता भाजपा को सत्ता से उतारने में अपनी जी जान लगा देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री की ब्यूरोक्रेट नहीं सुनता, प्रशासनिक अधिकारियों में उनकी पकड़ नहीं है। एक सवाल के जवाब में मानव ने कहा कि कांग्रेस की छोटी सी गलती कारण माखन नगर और इटारसी नगर पालिका कांग्रेस के नहीं बन पाई, लेकिन विधानसभा चुनाव में यह गलती नहीं होगी पूरी कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी। पेसा अधिनियम के बारे में उनका कहना था कि यह तो नई बोतल में पुरानी शराब जैसा मामला है।

विश्व में नया कीर्तिमान रचने को तैयार सुरखी का क्रिकेट महाकुंभ

सागर। सुरखी विधानसभा विश्व रिकॉर्ड बना चुका था इस बार फिर क्रिकेट महाकुंभ में सर्वाधिक टीमों के महासंगम पर खुद का रिकॉर्ड तोड़कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए सुरखी विधानसभा तैयार है क्रिकेट महाकुंभ के आयोजक आकाश सिंह राजपूत ने बताया कि सुरखी विधानसभा एक बार फिर स्वयं का रिकॉर्ड तोड़ कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है पिछली बार क्रिकेट महाकुंभ में 430 टीमें तथा 6500 खिलाड़ियों ने भाग लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था इस बार सुरखी विधानसभा अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर नया कीर्तिमान रचने को तैयार है जिसमें 580 टीमें हिस्सा ले रही है जिसमें 8700 से अधिक खिलाड़ी और 300 से अधिक कमेटी के लोग मिलकर विश्व पटल पर सुरखी का नाम अंकित करने जा रहे हैं जिसको लेकर हमने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन के लिए आवेदन किया है वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड की समिति क्रिकेट महाकुंभ की निगरानी कर रही है साथ ही क्रिकेट महाकुंभ के फाइनल मुकाबले में समिति के सदस्य शामिल होंगे आकाश सिंह राजपूत ने कहा अगर सब कुछ सही रहा तो हम एक बार फिर विश्व पटल पर सुरखी का नाम स्वर्ण अक्षरों से अंकित करने में कामयाब होंगे।

शनिवार को चार मंडलो में 34 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें चार मंडलो में 10-10 ओवर के 17 मैच खेले गये। शनिवार को सीहोरा में 5 मैच, जैसीनगर में 4 मैच, राहतगढ़ में 7 मैच, बिलहरा में 1 मैच एवं सुरखी में अवकाश रहा। गौरतलब है कि मंत्री ट्राफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 372 मैच खेले जा चुके हैं। सीहोरा में प्री-क्वाटर, जैसीनगर में दूसरा राऊंड, राहतगढ़ में पहला राऊंड समाप्त हुआ। बिलहरा में पहला सेमीफाईनल मैंच खेला गया।

बिलहरा में चल रहे सेमी फाईनल मैच में टीम सानू 11 बिलहरा ने टीम बेरखेडी को हराया प्लेयर ऑफ द मैच शिशुपाल रहे।

जैसीनगर के पहले मैच में टीम जैसीनगर सीसी ने टीम जंगल चैकी सीसी को हराया प्लेयर ऑफ द मैच 68 रन बनाकर गोविंद रहे। दूसरे मैच में टीम खमरियाबुजुर्ग एबीजी सीसी ने खमरिया बी क्रिकेट क्लब को हराया। संदीप प्लेयर ऑफ द मैच रहे। तीसरे मैच में टीम सत्ताढाना स्काई क्लब ने टीम तिरंगा सीसी को हराया प्लेयर ऑफ द मैच मुकेश रहे। चोथे मैच में टीम गेम चेलेन्जर क्रिकेट क्लब ने टीम बरोदा बी क्रिकेट क्लब को हराया।

1717 स्नातक छात्रों के साथ 20वां दीक्षांत समारोह दिवस मनाया

राउरकेला। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला (एनआईटी राउरकेला) ने अपना 20वां दीक्षांत समारोह आज, 4 फरवरी 2023 को 1717 छात्रों (351 महिला और 1366 पुरुष) की स्नातक कक्षा के साथ मनाया। इस अवसर पर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की चेयरमैन श्रीमती सोमा मोंडल ने बतौर मुख्यातिथि तथा महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ओम प्रकाश सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। प्रो. के. उमामहेश्वर राव, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर, और निदेशक, एनआईटी राउरकेला ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। डिजिटल इंडिया के विजन के अनुरूप, एनआईटी राउरकेला ने स्नातक छात्रों को हार्ड कॉपी के अलावा, डिजिलॉकर पर डिग्री प्रमाण पत्र और प्रतिलेख प्रदान किए। माननीय मुख्य अतिथि ने 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान डिजिलॉकर सुविधा का शुभारंभ किया। यह सुविधा स्नातक छात्रों को डिजिटल वॉलेट में अपनी डिग्री ले जाने और मुद्रित प्रति की प्रशासनिक परेशानी से मुक्त करने में मदद करेगी। यह उल्लेखनीय है कि एनआईटी राउरकेला अपने स्नातक छात्रों के लिए %ब्लॉकचेन-आधारित डिजिटल डिग्री% लागू करने के लिए देश में पहला एनआईटी और %राष्ट्रीय महत्व के संस्थान% के बीच दूसरा है। कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए एनआईटी राउरकेला की पूर्व छात्रा तथा 20वें दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती सोमा मोंडल ने कहा, ÷यह अवसर अपने संस्थान की महिमा में सभी हितधारकों के सफल योगदान और छात्रों द्वारा शैक्षणिक खोज के एक और चरण की परिणति का उत्सव है।

इण्डो जर्मन टूल रूम इंदौर में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

इंदौर। एमएसएमई क्षेत्र को उद्योग विशिष्ट प्रशिक्षित कर्मी प्रदान करने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री फेडरल मिनीस्ट्री ऑफ एजुकेशन एण्ड रिसर्च बीएफजेड जर्मनी सिनाडे एआईएम इंदौर एवं इण्डो जर्मन टूल रूम (आईजीटीआर) के संयुक्त प्रयास से दिनांक 30 जनवरी 2023 को इण्डो जर्मन टूल रूम इंदौर में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षिण कार्यक्रम दिनांक 30 जनवरी 2023 से 3 फरवरी 2023 तक चलेगा जिसमें मध्यप्रदेश के उद्योगों से 20 लोगों ने भाग लिया है। आगामी माह में इन सभी प्रशुक्षुओं को जर्मनी में भी प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिनेश राय, सेवानिवृत्त आईएएस] एवं चेयरमेन अलायंस ऑफ इंडियन एमएसएमई थे। कार्यक्रम का प्रारंभ श्री डी.वी. रैतेला जीएम इण्डो जर्मन टूल रूम (आईजीटीआर) इंदौर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इस कार्यक्रम को श्री जेन्स केज़र परियोजना निदेशक बीएफजेड डॉ. राधाशरण गोस्वामी अध्यक्ष फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री] एवं श्री अरूणाचलम कार्तिकेयन ने ऑनलाईन संबोधित किया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व एवं आवश्यकता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में इंदौर से फेडरेशन के संयुक्त सचिव श्री अखिलेश राठी जी] एवं उपाध्यक्ष श्री हिमांशु शाह जी और श्री वीरेन्द्र पोरवाल जी ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में फेडरेशन के सचिव श्री प्रवीण आचार्य जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डॉ. आर.एस. गोस्वामी ने आम बजट 2023-24 में किए गये प्रावधानों पर प्रसन्नता व्यक्त की

नई दिल्ली। एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी 9000 करोड़ के परिव्यय के साथ 1 अप्रैल 2023 से नई योजना शुरू होगी तथा फेल हो चुके एमएसएमई के लिए रिफंड स्कीम लाई जाएगी जो कि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए एक अच्छा कदम है।

एमएसएमई को किए गए भुगतान पर कटौती की अनुमति वास्तविक रूप से किए गए भुगतान पर ही दी जाएगी। इस फैसले पर फेडरेशन ने सरकार की सराहना की।

अभी तक 2 करोड़ रूपये तक के टर्नओवर वाले सूक्ष्म उद्यम और 50 लाख रूपये तक के टर्नओवर वाले कुछ पेशेवर, प्रकल्पित कराधान का लाभ उठा सकते थे। जिसकी सीमा को बढ़ाकर 3 करोड़ टर्नओवर और 75 लाख सीमा तक बढ़ाया गया जो कि सराहनीय है। फेडरेशन फार्मास्यूटिकल उद्योग के विकास के लिए 1250 करोड़ का आबंटन स्वागत योग्य है।

ईवी का त्वरित अंगीकरण और विनिर्माण के क्षेत्र में 5172 करोड़ का आबंटन प्रशंसनीय है। प्रकल्पित

कराधान के लाभ प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म उद्यमों एवं व्यावसायिकों के लिए सीमा बढ़ाना 95 प्रतिशत प्राप्तियॉ नकद रहित होंगी जो कि उद्योगों के लिए अच्छा है। 31 मार्च 2024 तक विनिर्माण शुरू करने वाले नई सहकारी समितियों को 15 प्रतिशत कॉरपोरेट कर का लाभ दिया जाना स्वागत योग्य है। पीएसीएस और पीसीएआरडीबी द्वारा नगद में जमा एवं ऋण के लिए प्रति सदस्य 2 लाख की उच्चतर सीमा।

30 स्किल इंडिया सूचना केन्द्र बनाए जायेगे। विवाद से विश्वास के अन्तर्गत एमएसएमई के लिए लचीला संविदा निष्पादन रखा जाएगा। इज ऑफ डूइंग को बढ़ावा देने के लिए 39000 से अधिक अनुपालनाओं को कम किया गया है और 3400 से अधिक विधिक उपबंधों को अपराध की श्रेणी से हटाया गया है। स्टार्ट-अप्स के लिए आयकर लाभ हेतु निगमन की तारीख का एक वर्ष तक विस्तार किया जाना और स्टार्ट-अप्स की शेयरधारिता को निगमन के सात वर्ष से दस वर्ष में परिवर्तित करने पर हुई हानि को अग्रेनीत करने का लाभ देना स्वागत योग्य है।

आज से निकलेगी अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्रा

अमरवाड़ा । विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 123 अमरवाड़ा विकासखड एवं अनु विभाग क्षेत्र अमरवाड़ा नगरी निकाय क्षेत्र में विकास यात्रा 5 फरवरी से 25 फरवरी तकशासन द्वारानिकाली जावेगीअमरवाड़ा अनुभाग के अनुरागी अधिकारी मनोज प्रजापति ने बताया है कि सोमवार को इस यात्रा का शुभारंभ सिंगोड़ी नगर से दोपहर 2ः00 बजे से प्रारंभ होगी यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए तहसीलदार अमरवाड़ा छवि पंत ने बताया है कि 2ः00 से 4ः00 तक सिंगोली बांका मोकासा राजोला नंदोरी कुबड़ी धवाई कोहलिया नदौरद्य मैं सभागार के ग्राम पंचायत में विकास रथ का विश्राम होगा इसी प्रकार 6 फरवरी को दोपहर 4ः00 बजे ग्राम बड़े गांव से यात्रा प्रारंभ होगी जोकि ग्राम पटनिया सगोनिया बड़े गांव भजिया गड़ा छोटा बाबई मनदा गढ़ नथुआ साड़ीवाला सानी घादरा महोली राहीवड़ा मैं रात्रि विश्राम होगा यात्रा के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एमआर मेहरा रहेंगे वही उपयंत्री वीरेंद्र गौतमरे परमेश्वर राय रीना मेहरा उपयंत्री उपेंद्र दुबे बीसी उपरोक्त अधिकारी यात्रा के सहायक प्रभारी अधिकारी पांच एवं 6 फरवरी के लिए नियुक्त किए गए हैं एवं पीसीओ ग्राम पंचायत के सचिव पटवारी रोजगार सहायक कृषि विस्तार अधिकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जन शिक्षक आशा कार्यकर्ता अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

जगतदेव प्रांगण में लगा निशुल्क आयुष मेला

अमरवाड़ा। रविवार को आयुष मेला का आयोजन विधायक कमलेश शाह के मुख्य आतिथ्य, नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी की अध्यक्षता एवं जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति में जगतदेव मंदिर प्रांगण में किया गया। अतिथियों का स्वागत आयुष विभाग द्वारा पुष्प हार से किया गया। आयुर्वेदिक पद्धतियों से विभिन्न रोगों के इलाज हेतु विभिन्न जानकारी दी गयी। विधायक कमलेश शाह ने आयुर्वेदिक पद्धति को बगैर साईड इफेक्ट की प्राचीन एवं सर्वोत्तम विधि बताते हुए इसके प्रचार प्रसार करने का आह्वान किया। नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि नगर में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से इलाज हेतु अस्पताल की मांग की गयी है। जिस पर शासन स्तर पर कार्यवाही जारी है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

नगरपालिका के निर्वाचित प्रतिनिधि को शासकीय कार्यक्रमों में बुलाया जावे

अध्यक्ष ने लिखा पत्र

छिंदवाड़ा । नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति प्रीति नितिन तिवारी ने समस्त शासकीय विभागों को पत्र लिखकर मांग की है कि उनके विभाग में जो भी कार्यक्रम होते हैं नगरपालिका के सभी निर्वाचित पदाधिकारियों एवं पार्षदों को बुलाया जावे एवं उनकी सहभागिता निश्चित की जावे। यदि जनप्रतिनिधियों को नहीं बुलाया गया तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जावेगी एवं निंदा प्रस्ताव पास किया जाएगा।

8 फरवरी को विद्यार्थी परिषद का महाकुभ होगा

छिंदवाड़ा । अखल भारतीय विद्यार्थी परिषद छिंदवाड़ा का महाकुभ छात्र सम्मेलन 8 फरवरी को जगन्नाथ स्कूल नरसिंगपुर रोड पर आयोजित किया गया है, जिससे देश भर के छात्र भाग लेगें, कार्यक्रम में प्रदेश के आयुष मंत्री रामकिशोर, राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल आक्षत एवं विशेष अतिथि आशुतोष तिवारी, प्रान्त महामंत्री महाकोशल प्रान्त उपस्थित रहेगें, कार्यक्रम में शोभायात्रा निकाली जावेगी एवं खुला मंच भी होगा सम्मेलन का उद्देश्य राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने हेतु आयोजन किया गया है।

रियल स्टेट 11 रही विजयी

छिंदवाड़ा । खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के अंतर्गत स्थानीय लाल ग्राउंड में रियल स्टेट 11 और पोला ग्राउंड 11 के मध्य क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें रियल स्टेट 11 ने जीत हासिल की। इस दौरान निगम से खेल प्रमोटर प्रशांत घोंगे, दीपक वाघमारे, पवन सोनी के अलावा आशीष सोनी, विजय गेडाम, ऋषि नंदनवार, योगेश घोघरे, श्रांत चंदेल (कोच) उपस्थित रहे। इसी श्रंखला में श्री गोविंद युवनाती (जिला कुश्ती संघ कोच) की उपस्थिति में आज कुश्ती का भी आयोजन किया गया।

गांव में शराबबंदी को लेकर महिलाओं ने प्रशासन को दिया 2 दिन का समय,आंदोलन की दी चेतावनी

अमरवाड़ा । नगर के समीपस्थ ग्राम पिपरिया राजगुरु में ग्राम की महिलाओं ने गांव में शराबबंदी को लेकर मुख्य मार्ग में प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार महिलाओं का कहना है कि हमारे गांव में अधिकतर स्थानों पर कच्ची पक्की शराब की बिक्री की जा रही है। जिससे हमारे घर के लोग शराब पीकर आते हैं और मारपीट करते हैं। बच्चों को पढ़ाई नहीं करने देते हैं घर की खाद्य सामग्री को बेचकर शराब पीते हैं। जिसकी वजह से आए दिन गांव में विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। विगत दिनों भी महिलाओं द्वारा शराबबंदी की मांग की जा रही थी और शासन प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा गया। लेकिन संबंधित अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। जिसके बाद गांव की सभी महिलाओं ने एकत्रित होकर गांव के मुख्य मार्ग छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग में जमकर प्रदर्शन किया। जैसे ही घटना की जानकारी प्रशासन को लगी तो मौके पर तहसीलदार छवि पंत के निर्देशन में नायब तहसीलदार सौरव मरावी नगर निरीक्षक मोहन सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइस दी। साथ ही अस्वस्त कराया कि जल्द ही गांव में शराबबंदी कराई जाएगी और अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक पात्र को मिले शासन की हर योजना का लाभ

विकास पताका सौंपकर हरी झंडी दिखाकर विकास रथों को किया रवाना,संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाई

छिन्दवाड़ा। संत शिरोमणि रविदास की जयंती जिले भर में गरिमापूर्वक मनाई गई। उनकी जयंती के अवसर पर आज 5 फरवरी रविवार से जिले में भी विकास यात्रा प्रारंभ हो गई है। यह विकास यात्रा 5 से 25 फरवरी तक जिले के सभी सातों विधानसभाओं के सभी ग्रामों और शहरी वार्डों तक पहुंचेगी। विकास यात्रा का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम रविवार को समारोहपूर्वक संत रविदास जी के भजनों की धुनों के बीच कलेक्ट्रेट के सामने स्थित जवाहर मैदान में संपन्न हुआ। जहां से जिले की सातों विधानसभाओं के लिए तैयार कराए गए विकास रथों को विकास पताका सौंपते हुए, हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के कृषि विकास एवं कृषक कल्याण मंत्री और छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल की वर्चुअल उपस्थिति में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, एडीएम ओ.पी. सनोडिया व एएसपी संजीव उइके सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य विवेक साहू, रमेश पोफली व श्री शेषराव यादव, नगरपालिक निगम में नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, श्रीमती देवकी डेहरिया, श्रीमती गरिमा दामोदर, अंकुर शुक्ला व रोहित पोफली सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संत रविदास समाज के गणमान्य नागरिकों ने संत रविदास जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर व श्रृध्दा सुमन अर्पित कर किया। इसके बाद सभी ने कन्या पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जिसके बाद मध्यप्रदेश गान का सम्मानपूर्वक सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप विभिन्न योजनाओं के 48 हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए हितलाभों का वितरण किया गया। तहसील बिछुआ के ग्राम झामटा की महिला कृषक व स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती लक्ष्मी घाघरे और नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा की महिला व्यवसायी व स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती अनुसुईया पहाड़े ने शासन की योजना से लाभ लेकर स्वयं के विकास की गाथा पर अपने विचार साझा किए और अन्य लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने कहा कि प्रत्येक पात्र तक शासन की योजना का लाभ पहुंचाने का यह दूसरा चरण है। पहले चरण में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभन्वित किया गया है जिसमें सर्वाधिक लोगों को लाभान्वित करते हुए छिंदवाड़ा जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। इसके लिए उन्होंने जिले की पूरी टीम को बधाई दी और विकास यात्रा के दौरान भी इसी तरह के प्रदर्शन के लिए विश्वास प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में केंद्र व राज्य शासन की योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्रों तक पहुंचाने के लिए लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यह विकास की यात्रा चलाई जा रही है। इस दौरान क्षेत्र में अभी तक हुए विकास से सभी हो अवगत कराया जायेगा । साथ ही सीएम जन सेवा अभियान के बाद भी छूट गए पात्रों को लाभन्वित किया जाएगा। कोई भी पात्र इसके बाद योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए, अन्यथा संबंधित विभाग की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान अच्छा काम करने वालों को सम्मानित भी करें। जिन कार्यों को शासन ने स्वीकृति दे दी है, उनका शिलान्यास करें, पूर्ण कार्यों का लोकार्पण करें। इस दौरान जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य विवेक साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने सभी को संत रविदास जयंती की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश शासन हर क्षेत्र में विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

केसरी नन्दन हनुमान मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बने ईशान मेद

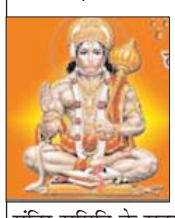

छिंदवाड़ा । रेलवे स्टेशन रोड तिलक मार्केट में स्थित छिंदवाड़ा के प्रसिद्ध प्राचीन श्री केसरी नंदन हनुमान मंदिर में हर वर्ष हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जाता है हनुमान जन्मोत्सव में मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होते हैं इसी को दृष्टिगत रखते हुए रविवार 5 फरवरी केसरी नंदन हनुमान मंदिर में आगामी हनुमान जन्मोत्सव 2023 मानने हेतु केसरी नंदन हनुमान मंदिर ट्रस्ट द्वारा बैठक आयोजित की गई मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा हनुमान जी को नारियल चढ़ाकर पूजा अर्चना करने के बाद हनुमान जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए समिति के सभी सदस्यों के सुझाव लिए गए जिसमें सभी ने अपने अपने सुझाव दिए और हनुमान जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाने का संकल्प लिया इसके साथ ही मंदिर की नवीन कार्यकारिणी का गठन भी किया गयाजिसमें अध्यक्ष ईशान मेद, उपाध्यक्ष अनिल मालवीय मुख्य पुजारी, सचिव अमित बेस, महासचिव आदित्य ढगे, उपसचिव अजय साहू विक्की यादव ,कोषाध्यक्ष हितेश कुमार साहू ,उप कोषाध्यक्ष अभिषेक सोनी, सह सचिव सौरभ अरोरा (डिंपी) निर्मल मालवी अभिषेक विश्वकर्मा अमन चोरिया, को सर्व सहमति से नियुक्त किया गया बैठक की अध्यक्षता ,ईशान मेद,नंदकिशोर साहू ,मंदिर के मुख्य पुजारी अनिल मालवी ,गोविंद माहोरे अधिवक्ता ,अशोक सतीजा,की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई इस बैठक में मंदिर समिति के सदस्य भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे जिसमें,समीर सोनी,यश सिंह गौतम,इंद्र कुमार डहेरिया,सौरभ अरोरा,शुभम विश्वकर्मा,जय बेस,अजय साहू,संतोष मालवीय,अनिल यादव ,अमन चोरिया,अमित बेस ,विशाल यादव ,सुरेंद्र पाटिल,आशु ,अभिषेक सोनी विक्की यादव आदित्य ढगे नितिन पराड़कर महेंद्र पाल चंदन साहू अमन पवार आदि सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा सभी भक्तों से हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम हर्षोल्लास से मनाने हेतु अपने सुझाव आमंत्रित करने की अपील की गई ।

मेडिकल के छुट्टी पर गये डाक्टर की डीन के अपसेन्ट लगाई

छिंदवाड़ा। मेडिकल कालेज में अन्व्यवस्था को लेकर आये दिन समाचार प्रकाशित होते रहते हैं। बताया जाता है कि डीन की कार्यप्रणाली से डाक्टर नाराज रहते है, जिसका परिणाम मरीजों को भुगतना पड़ता है। डाक्टरों ने बताया कि 15-16 डाक्टर छुट्टी पर थे, उनक आवेदन कालेज में जमा थे डीन ने सभी छुट्टी पर गये डाक्टरों की अपसेन्ट लगा दिया और उनकी पेमेन्ट काटने के आदेश दे दिये, जिससे डाक्टर नाराज है मेडिकल एसोसियेशन इस संबध में डीन से चर्चा करेंगे।

जिनवाणी विराजमान कर चैत्यालय पर किया ध्वजारोहण

छिन्दवाड़ा / सिंगोड़ी - मध्य प्रदेश की धर्म नगरी छिन्दवाड़ा के सिंगोड़ी में सकल तारण तरण दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में सर्वश्री सुभाषचन्द, नरेंद्रकुमार, राजाबाबू, लिकेशकुमार जैन के शुभ भावों से तीन दिवसीय जिनवाणी अस्थाप, वेदी प्रतिष्ठा, कलशारोहण एवं तिलक महोत्सव का मंगलमय शुभारंभ माघ शुक्ल पूर्णिमा रविवार को हुआ।

महोत्सव के प्रथम दिन प्रात:काल की मंगल बेला पर सामयिक, ध्यान कर प्रभात फेरी से महोत्सव का शुभारंभ हुआ पश्चात सभी ने तारण त्रिवेणी का पाठ किया और भावपूजा के साथ मंदिर विधि का आयोजन कर जिनशासन की प्रभावना की। जिसमे श्रद्धेय साधकगण बाल ब्रह्मचारी आत्मानन्दजी महाराज, परमानंद महाराज, सदानन्द महाराज, सुरेशकुमारजी, राजेंद्रकुमारजी, वैराग भैया, रजत भैया, सुनील भैया सहित अन्य साधक बहने विराजमान रहीं। जिनके साथ प्रतिष्ठाचार्य प्रतिष्ठारत्न पण्डित निलेशकुमार जैन सुहागपुर, पं.विजय मोही पिपरिया, पं. नेमीचंद गोयल, पं. जयकुमार जैन सहित पं.हेमचन्द जैन सिंगोड़ी उपस्थित रहे।

पुष्पावती नगरी में हुआ ध्वजारोहण

महोत्सव के लिए बनाई गई पुष्पावती नगरी में आयोजक परिवार द्वारा मंगलगान के साथ भक्ति भाव पूर्वक ध्वजारोहण किया गया। जिसमें समाज के श्रेष्ठिगण सर्वश्री सिंघई ज्ञानचन्द जैन बीना, पहलादकिशोर जैन, गिरधारीलाल जैन उदयपुरा, एडवोकेट पदमचंद जैन बासौदा, सीए मनोहरलाल जैन भोपाल सहित शांतिकुमार जैन, सिंघई मनोजकुमार जैन, ठाकुर उत्तम सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं साधर्मीगण सम्मिलित हुए।दोपहर में बड़ी मंदिर विधि कर कार्यक्रम स्थल पुष्पावती नगरी से विशाल जिनवाणी एवं धर्मध्वज चल समारोह निकाला गया जो नगर के मुख्यमार्गों से होते हुए चैत्यालयजी पहुंचा जहां प्रतिष्ठाचार्य महोदय द्वारा विधि विधान कर मनोहारी वेदी पर मां जिनवाणी विराजमान कराई गई पश्चात सौभाग्यशाली परिवारों द्वारा चैत्यालय पर 14 धर्मध्वजा फहराई गई।

ये रहे धर्मध्वजा के सौभाग्यशाली परिवार

14 धर्मध्वजा फहराने का सौभाग्य ब्रह्मचारणीय विनयश्री बहन, सिंघई मनोजकुमार मन्नूलाल जैन परिवार सिंगोड़ी, उत्तमचन्द अमिटकुमार जैन परिवार चांद, सुशीला संदेश जैन परिवार शहपुरा, सुरेशकुमार संदेश जैन परिवार, पुष्पकुमार विजयकुमार जैन परिवार सिंगोड़ी, श्रीमती ज्योति गिरधारीलाल जैन परिवार उदयपुरा, भोलाप्रसाद जैन परिवार सिंगोड़ी, त्रिवेंद्रकुमार अंकुर जैन परिवार बरेली, इंजी. सुनीलकुमार समकित जैन परिवार जबलपुर, गिरिशकुमार सतीशकुमार जैन परिवार सिंगोड़ी, पं. हेमचन्द सुभाषकुमार जैन परिवार सिंगोड़ी, मोहनलाल शिखरचंद जैन परिवार सिंगोड़ी, कुअँरलाल जितेंद्र शास्त्री परिवार सिंगोड़ी को प्राप्त हुआ। संम्पूर्ण आयोजन में तारण तरण नवयुवक मंडल छिन्दवाड़ा के सुंदर मंगलगान एवं सिंगोड़ी के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

आयुष मेले में 664 रोगी हुए लाभान्वित

बिछुआ। राष्ट्रीय आयुष मिशन योजनान्तर्गत संचालनालय आयुष भोपाल के निर्देशानुसार जिला आयुष कार्यालय छिंदवाड़ा के तत्वाधान में जिला आयुष अधिकारी डॉ दत्तात्रय भदाडे के निर्देशानुसार रविवार को संत रविदास की जयंती के अवसर पर स्थानीय पुराना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछुआ में निशुल्क आयुष मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामचंद्र बोबडे नगर परिषद अध्यक्ष, प्रियवर सिंह ठाकुर जिला भाजपा उपाध्यक्ष, लक्ष्मीकांत (गोलू) नागरे भाजपा मंडल अध्यक्ष, निरंकुश नागरे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष, दीपक चोपड़े की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। मेले में आयुर्वेद, होम्योपैथी, योगा पद्धति से लोगों को उपचार दिया गया। मेले में आने वाले 664 रोगी लाभान्वित हुए। मेले में आने वाले लाभार्थियों को निशुल्क औषधि वितरण किया गया। डॉक्टर हेमंत दुबे आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मेला में रोगियों ने आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा का लाभ लिया। 402 आयुर्वेद एवं 262 होम्योपैथी से निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण का लाभ लिया। शिविर में जनसामान्य को स्थानीय औषधि पौधों के उपयोग की जानकारी प्रदर्शनी लगाकर एवं पम्प्लेट वितरण कर दी गई। शिविर में आए हुए लाभार्थियों एवं अतिथियों को विभागीय योग प्रशिक्षक देवीप्रसाद, अर्जुन कामड़े, शैलेन्द्र दुबे, योग सहायक बसन्त के द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। शिविर में आए लाभार्थियों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई। मोबाइल के माध्यम से विशेषज्ञों से परामर्श के लिए ग्रामीणों को आयुष क्यौर एप डाउनलोड करवाया गया। शिविर में मुख्यतः चर्म रोग, श्वास, मधुमेह, स्त्रीरोग, उदर रोग, वात रोग, कास, प्रतिश्याय, रक्ताल्पता, बालरोग की चिकित्सा के साथ-साथ रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आर्सेनिक एल्बम एवं त्रिकटु चूर्ण का वितरण किया गया। इस शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ हेमन्त दुबे एवं डॉ धर्मराज देशमुख के द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा एवं डॉ बबिता खांडेकर होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा से रोगियों को लाभान्वित किया गया। सीएचओ डॉ गोलू बुनकर के द्वारा आयुष क्यूर एप एवं औषधि पौधों की जानकारी दी गयी। आयुष मेले में शासकीय आयुर्वेद औषधालय बिछुआ, मोया, थोटामाल, जमुनिया कला, सुर्रेवानी, गुमतरा, घोराड़, मुगनापार, बड़ौसा, खदबेली, तुमड़ागड़ी, देवरी के समस्त स्टाफ एवं सौसर

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

अमरवाड़ा । रविवार को एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चला रहे एक बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवर्धा निवासी चैनी सिंह वर्मा उम्र 62 वर्ष अपने वाहन एमपी 28 एसई 0530 से अमरवाड़ा आ रहे थे। तभी भुमका घाटी मोड़ पर बाइक अनियंत्रित हो गई और अज्ञात वाहन से टकरा जाने के बाद मौका स्थल पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना के बाद तुरंत ही थाना निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले सहित उप निरीक्षक ओपी सनोडिया, अभिषेक सनोडिया, राम गणेश तिवारी सहित पुलिस अमला घटनास्थल में पहुंचकर पंचनामा बनाया गया तत्पश्चात शव को वाहन की मदद से पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना के 2 घंटे बाद नहीं पहुंचा शव वाहन

अमरवाड़ा से छिंदवाड़ा रोड में हुए एक्सीडेंट में मृत हुए बुजुर्ग के शव अमरवाड़ा हॉस्पिटल के मचूरी कक्ष लाने के लिए नगर निरीक्षक मोहन सिंह मसकोले के द्वारा नगर पालिका में सूचना दी गई लेकिन नगर पालिका के द्वारा 2 घंटे बीत जाने के बाद भी शव वाहन नहीं भेजा गया जिसको लेकर पुलिस में आक्रोश व्याप्त था।

स्वच्छ भारत की थीम पर विकास यात्रा का आयोजन आज

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में जिले के विधानसभा क्षेत्र जुन्नारदेव, सौंसर, छिंदवाड़ा, परासिया और पांढुर्णा में 6 फरवरी को स्वच्छ भारत की थीम पर 15 ग्रामों और 9 वार्डो में विकास यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें 49 ग्रामों के ग्रामवासी और 26 वार्डो के नगरवासी शामिल होंगे । विकास यात्रा के दौरान हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरण के साथ ही विभिन्न योजनाओं में छूटे हुये हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उन्हें लाभान्वित करने का कार्य किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 फरवरी को विधानसभा क्षेत्र जुन्नारदेव में विकास यात्रा प्रात: 8 से 9.30 बजे तक ग्राम घुट्टी व केवलारी और प्रात: 10 से 11.30 बजे तक ग्राम रिछेड़ा दोपहर 12 से 1.30 बजे तक जुन्नारदेव विशाला, दोपहर 2 से 3.30 बजे तक ग्राम चिखलमऊ और शाम 4 से 5.30 बजे तक ग्राम उमराड़ी और बिलावरखुर्द जायेगी । यात्रा के दौरान ग्राम केवलारी में आयोजित सभा में ग्राम घुट्टी, टाटरवाड़ा, उमरिया फदाली, केवलारी, मोरकुंड व बिछुआ के ग्रामवासी, ग्राम रिछेड़ा में आयोजित सभा में रिछंड़ा, मढुआ, डोरली व धयसिया के ग्रामवासी, ग्राम जुन्नारदेव विशाला में आयोजित सभा में ग्राम जुन्नारदेव विशाला, जुन्नारदेव दवामी व काली माटी, ग्राम चिखलमऊ में आयोजित सभा में ग्राम चिखलमऊ, आलीबाड़ा व बेलखेड़ी एवं ग्राम उमराड़ी में आयोजित सभा में ग्राम उमराड़ी, बिलावरखुर्द, पटनिया, गारादेही व बिलावरकला के ग्रामवासी शामिल होंगे । विधानसभा क्षेत्र सौंसर में विकास यात्रा प्रात: 8 से 10 बजे तक ग्राम गोरेघाट, प्रात: 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक ग्राम लोनिया, दोपहर एक से 3 बजे तक ग्राम बीसापुरकला, दोपहर 3.30 से शाम 5.30 बजे तक ग्राम पिंडरईखुर्द और शाम 5.45 से 6.45 बजे तक ग्राम निशानदर्यांव जायेगी। यात्रा के दौरान ग्राम गोरेघाट में आयोजित सभा में ग्राम गोरेघाट, सालीमेटा व जैतपुरखर्द, ग्राम

भाजपा ने मनाई संत शिरोमणी श्री रविदास महाराज की जयंती

जयंती के अवसर पर समाज के वरिष्ठ नागरिकों को किया गया सम्मान

छिंदवाड़ । भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल 1 के शक्ति केंद्र क्रमांक 38 में संत श्री रविदास महाराज जी की जयंती के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री विवेक बंटी साहू एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जागेन्द्र अल्डक द्वारा सामाजिक बंधुओं एवं सेवा निवृत्त कर्मचारी बंधुओं का गमछा पहना कर एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। संत रवि दास जी की जयंती के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री विवेक बंटी साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि रविदास जी के प्रति युगों युगों से लोगो में श्रद्धा एवं आस्था बनी हुई है । रविदास जी के विचारों को आत्मसाध करने से लोगो का जीवन सुधर जाता है। भाजपा जिला अध्यक्ष जी ने कहा कि केंद्र एवं मध्यप्रदेश की सरकार निरन्तर संत रविदास जी महाराज के विचारों को आत्मसाद कर जनता जनार्दन की सेवा के लिए दृढ़ संकल्प लेकर निरंतर समाज के सभी वर्गों के विकास हेतु कार्य कर रही है एवं बिना भेदभाव के समाज कल्याण का कार्य कर रही है। आज शुभ दिन से ही मध्यप्रदेश में विकास यात्रा प्रारंभ हुआ है जिसका प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ पहुचाना है। जागेन्द्र अलडक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री रविदास महाराज का जीवन चरित्र वास्तव में लोगो को पढ़कर उसे आत्मसाध करने की आवश्यकता है। आज के इस दौड़ भाग भरे जीवन में संत रविदास जी के विचार ही जीवन को सरल एवं सुखी बनाने के लिए संदेश देते है।

अहिरवार समाज संघ ने रविदास महाराज की जयंती मनाई

छिन्दवाड़ा। अहिरवार समाज संघ द्वारा गुरू संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज के 646 वें प्रकाश उत्सव पर्व पर गुरू रविदास धाम खिरका मोहल्ला वार्ड नं.23 पर संगठन के सभी साथियों के साथ गुरूधाम पर संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर अरदास की गयी एवं प्रसाद वितरण किया गया । अपनी रचना से समाज में प्रेम सौहार्द्र भाईचारा और ज्ञान को बढ़ाने वाले संत शिरोमणि गुरू रविदास जी के विचारों का अनुग्रह किया गया साथ ही समाज के लोगों ने शपथ लेकर गुरूदास के विचारों के अनुसार चलने का प्रण लिया । अहिरवार समाज के सभी भव्य शोभायात्रा लालबाग से पोलाग्राउण्ड छिन्दवाड़ा के जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित हुये । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अहिरवार समाज संघ के युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष आकाश अहिरवार ,जिलाध्यक्ष राजकुमार अहिरवार ,संभाग युवा अध्यक्ष शक्ति डोले , एवं समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

संत रविदास जयंती के अवसर पर निकली शोभा यात्रा

अमरवाड़ा। नगर में संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती समाज बंधुओं के द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई अमरवाड़ा के चौरई रोड स्थित संत रविदास भवन में स्थित संत रविदास जी महाराज की विशेष पूजा अर्चना का ध्वजारोहण किया गय और नगर भ्रमण के लिए शोभायात्रा निकाली गई जो कि अमरवाड़ा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई संत रविदास भवन पहुंची जहां कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिस के मुख्य अतिथि विधायक राजा कमलेश शाह, नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी को जयंती की शुभकामनाएं दीं

सफलता के लिए लक्ष्य ऊंचा रखना चाहिए: केके पाटिल

विज्ञान मेले में बड़ोसा संकुल के 3 मॉडल चयनित

बिछुआ । विज्ञान मेले के माध्यम से दैनिक जीवन में विज्ञान एवं तकनीक के प्रयोग की दृष्टि को विकसित करने की कोशिश हो रही है।बच्चों में इसी वैज्ञानिक सोच और जज्बे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय संकुल स्तरीय विज्ञान, गणित, एवं पर्यावरण प्रदर्शनी आ आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ोसा में शनिवार को किया गया। मेले में बच्चों ने विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण के संबंध में मॉडल प्रदर्शित किए। 11 कैटगरी में जूनियर व सीनियर विद्यार्थी विज्ञान मेले में शामिल हुए। साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडलो का प्राचार्य सहित शिक्षकों ने निरीक्षण कर तीन स्कूलों के मॉडल का चयन कर ब्लाक स्तर के लिए किया गया। विज्ञान मेले में हाईस्कूल लोहांगी की छात्रा आशा सिरसाम 10वीं मॉडल संतुलित आहार, माध्यमिक शाला राघादेवी का छात्र कृश सिल्लु 8वीं मॉडल पानी शुद्धीकरण, माध्यमिक शाला पनियारी की छात्रा दुर्गा पंघरे 8वीं मॉडल मानव श्वसन तल का चयन किया गया।संकुल प्राचार्य के के पाटिल ने कहा कि जीवन में यदि एक लक्ष्य निर्धारित करके कार्य किया जाए, तो निश्चित रुप से सफलता मिलेगी। प्रत्येक विद्यार्थी को छोटे नहीं, बड़े लक्ष्य का निर्धारण करना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित रहना चाहिए।इस दौरान मुख्य रूप से प्राचार्य केके पाटिल, शिक्षक बी. के. मालवीय, ए. आर. दीवान, दीपक मड़के, शेषराव चरडे, रविकांत गायकवाड़, महाभारत सांडे, श्रीमति संगीता नासरे, जनशिक्षक प्रदीप पातुलकर, सुनील? विरखड़े सहित छात्र-छात्राएं एवं समस्त स्टाप गण उपस्थित थे।

आरोपों के घेरे में माखनलाल विवि के कुलसचिव, मुख्यमंत्री ने जांच के दिए निर्देश

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अविनाश वाजपेयी आरोपों के घेरे में हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रो वाजपेयी के विरुद्ध एक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए इसकी जांच के लिए माखनलाल विश्वविद्यालय को भेजा है।

चंडीगढ़ के डा. आशुतोष मिश्रा ने कुलसचिव प्रो. अविनाश वाजपेयी की शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों पर प्रश्न उठाते हुए उनके विरुद्ध उपराष्ट्रपति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय को शिकायत की थी एवं मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय को भी शिकायत भेजी गई। जिसके बाद अब मुख्यमंत्री के निर्देश पर विश्वविद्यालय स्तर पर इसकी जांच कराई जाएगी। शिकायतकर्ता डा. आशुतोष मिश्रा द्वारा कुलसचिव प्रो वाजपेयी के विरुद्ध गत वर्ष 12 फरवरी, छह मार्च, 15 जून एवं 13 जुलाई को शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। उनका आरोप है कि डा. वाजपेयी ने 1998 से 2005 के बीच ईपीसीओ भोपाल में कार्य करने का अनुभव दिखाया है, जबकि लगभग उसी काल में चित्रांश कालेज में भी कार्य अनुभव प्रदर्शित किया है। आशुतोष मिश्रा ने उनकी पीएचडी एवं एसोसिएट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति की जांच की मांग की है। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के निर्धारित दो बच्चों के नियम और ईओडब्ल्यू में चल रही जांच का हवाला भी दिया है। उनका कहना है कि कुलसचिव को अयोग्यता व अनियमितता के लिए पद से हटाया जाए।

विश्व में नया कीर्तिमान रचने को तैयार सुरखी का क्रिकेट महाकुंभ

'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में किया आवेदन'

सागर। सुरखी विधानसभा विश्व रिकॉर्ड बना चुका था इस बार फिर क्रिकेट महाकुंभ में सर्वाधिक टीमों के महासंगम पर खुद का रिकॉर्ड तोड़कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए सुरखी विधानसभा तैयार है क्रिकेट महाकुंभ के आयोजक आकाश सिंह राजपूत ने बताया कि सुरखी विधानसभा एक बार फिर स्वयं का रिकॉर्ड तोड़ कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है पिछली बार क्रिकेट महाकुंभ में 430 टीमें तथा 6500 खिलाड़ियों ने भाग लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था इस बार सुरखी विधानसभा अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर नया कीर्तिमान रचने को तैयार है जिसमें 580 टीमें हिस्सा ले रही है जिसमें 8700 से अधिक खिलाड़ी और 300 से अधिक कमेटी के लोग मिलकर विश्व पटल पर सुरखी का नाम अंकित करने जा रहे हैं जिसको लेकर हमने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन के लिए आवेदन किया है वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड की समिति क्रिकेट महाकुंभ की निगरानी कर रही है साथ ही क्रिकेट महाकुंभ के फाइनल मुकाबले में समिति के सदस्य शामिल होंगे आकाश सिंह राजपूत ने कहा अगर सब कुछ सही रहा तो हम एक बार फिर विश्व पटल पर सुरखी का नाम स्वर्ण अक्षरों से अंकित करने में कामयाब होंगे। शनिवार को चार मंडलो में 34 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें चार मंडलो में 10-10 ओवर के 17 मैच खेले गये। शनिवार को सीहोरा में 5 मैच, जैसीनगर में 4 मैच, राहतगढ़ में 7 मैच, बिलहरा में 1 मैच एवं सुरखी में अवकाश रहा। गौरतलब है कि मंत्री ट्राफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 372 मैच खेले जा चुके हैं। सीहोरा में प्री-क्वाटर, जैसीनगर में दूसरा राऊंड, राहतगढ़ में पहला राऊंड समाप्त हुआ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में बरगद , सप्तपर्णी और खिरनी के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री के साथ स्वदीप सिंह भदोरिया तथा श्रीमती मोनिका भदोरिया ने अपनी विवाह वर्षगांठ पर पौधे लगाए। भोपाल की पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती कल्पना मीणा ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया।

प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सुपुत्र के विवाह समारोह में शामिल हुए एवं वर वधु को आशीर्वाद दिया।

कमलनाथ-दिग्विजय सिंह अतिथि हैं, अतिथि ही रहेंगे: सिंधिया

ग्वालियर। पूर्व सीएम कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के ग्वालियर दौरे पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने करारा तंज कसा है। उन्होंने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को अतिथि बताया। सिंधिया ने कहा कि ये अतिथि थे, हैं और अतिथि ही रहेंगे। इतना ही नहीं सिंधिया ने कांग्रेस नेताओं को नमूना भी कहा। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। इधर अतिथि कहे जाने पर कमलनाथ ने कहा कि अतिथि कौन है ये जनता तय करेगी।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जीवाजी यूनिवर्सिटी के अटल सभागार में आरोध्यधाम हॉस्पिटल की कैथ लैब के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा - %बीच में 15 महीने की सरकार आई थी। सरकार के नमूने आज अतिथि के रूप में ग्वालियर आ रहे हैं। अतिथि थे, अतिथि हैं। और मैं मानता हूं जो कार्य शिवराज सिंह चौहान ने किए हैं, जो कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किए हैं, आपके आशीर्वाद से सदैव अतिथि ही रहेंगे%। सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर में विकास हमें करना है। शिवराज सरकार ने जो किया है वह कोई नहीं कर सकता।

कांग्रेस नेता के 6 साल के भतीजे का अपहरण कर 4 करोड़ की फिरौती मांगी, हत्या कर शव फेका

महू। महू में एक कांग्रेस नेता के 6 साल के भतीजे का अपहरण कर हत्या कर दी गई। बच्चे का शव एक पुलिया के नीचे मिला है। अपहरण करने वालों ने हत्या से पहले बच्चे के परिजन को फोन करके 4 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। इस घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें आरोपी बच्चे को लेकर जाते दिखाई दे रहा है।

महू के सिविल अस्पताल प्रभारी डॉ. एचआर वर्मा ने बताया कि बच्चे की हत्या मुंह में कपड़ा ठूंसकर और गला घोंटकर की गई है। मामला

किशनगंज थाना क्षेत्र के गांव पिगडंबर का है। पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी परिवार के करीबी हैं। कांग्रेस नेता विजेंद्र सिंह चौहान के छोटे भाई जितेंद्र सिंह चौहान का बेटा हर्षू (6) रविवार शाम करीब साढ़े 6 बजे घर से लापता हो गया था। परिजन ने कई घंटों तक गांव सहित आसपास के एरिया में हर्षू को ढूंढा। वह नहीं मिला, तो पुलिस को शिकायत की। पुलिस भी बच्चे की छानबीन में लगी रही। देर रात पता चला कि बच्चे का शव चोरल में आने वाले सैंडल मेंडल गांव की एक पुलिया के नीचे पड़ा है। इसके बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। बच्चे के शव को बरामद कर महू के सिविल अस्पताल लाया गया। यहां उसका पोस्टमॉर्टम किया गया।

कुंए में गिरा तेंदुआ शावक, चार घंटे की मशक्कत के बाद पेंच रिजर्व की टीम ने किया रेस्क्यू

छिंदवाड़ा। संवाददाता। जिले के सौसर वन परिक्षेत्र के ग्राम खेरीपंथा में एक तेंदुए का शावक कुएं में गिर गया। जान बचाने के लिए शावक मोटर पंप के प्लेटफार्म पर बैठ गया था। वन अमला और पेंच रिजर्व की टीम ने चार घंटे की मशक्कत के बाद जैसे ही शावक को बाहर निकाला, वह अचानक भाग निकला। ग्रामीणों ने शावक को पकड़कर टीम के हवाले किया। तेंदुआ शावक की उम्र 05-06 माह बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार खेरीपन्था के एक किसान ने रविवार को अपने खेत में बने कुएं में तेंदुए के शावक को देखा। मामले की जानकारी मिलते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष ठाकुर और दीपक तिरपुड़े मौके पर पहुंचे। शावक को कुएं से बाहर निकलने पेंच नेशनल पार्क से रेस्क्यू टीम

बुलाई गई। दोपहर 2 बजे टीम पंहूची टीम ने शावक को 5.15 बजे कुएं से बाहर निकाला। तेंदुआ शावक को बाहर निकालने के लिए रस्सियों से बांधकर एक खाट को कुएं में डाला गया। जैसे ही तेंदुआ शावक उस खाट पर आकर बैठा, वन अमले ने ग्रामीणों की मदद से उसे ऊपर खींच लिया। कुएं से बाहर निकलते ही शावक भागकर झाड़ी में फंस गया। इसके बाद ग्रामीण युवाओं ने शावक को पकड़कर वन अमले के हवाले किया। विभाग के निर्देश के बाद शावक को भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क पहुंचाया जाएगा। सूचना पर डीएफओ एल के वासनिक मौके पर पहुंचे। डीएफओ एलके वासनिक ने बताया कि इस बारे में वन विभाग के आला अधिकारियों को जानकारी दी जाएगी। जिसके बाद इस बारे में आगे की कारवाई की जाएगी।

पेड़ से टकराकर नाले में गिरी कार, एमबीबीएस छात्र की मौत

भोपाल। राजधानी के खजूरी सड़क थाना इलाके में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराने के बाद नाले में जा गिरी। कार में पानी भर जाने के कारण कार चालक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक इंदौर का रहने वाला था और भोपाल में रहकर एक निजी मेडिकल कालेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खजूरी सड़क थाने के एसआइ ओंकार सिंह ने बताया कि 34 वर्षीय भवभूति मिश्रा पुत्र विनोद मिश्रा मूलत-निपानिया, इंदौर के रहने वाले थे। वह भोपाल स्थित चिरायु मेडिकल कालेज में एमबीबीएस अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। शनिवार सुबह वह इंदौर से अपनी कार से भोपाल आ रहे थे। जब वह ग्राम कोलूखेड़ी के पास से गुजर रहे थे, तभी टीआरआर होटल के सामने अचानक उनकी कार अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराई। इसके बाद कार पलटकर नाले में चली गई। नाले में काफी पानी भरा हुआ था। कार का अगला हिस्सा पानी में पूरी तरह डूब गया था। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन तक तक काफी देर हो चुकी थी।

अज्ञात युवकों ने मस्जिद के इमाम और नाबालिग पर किया हमला

इमाम खतरे से बाहर नाबालिग को जिला चिकित्सालय ने किया इंदौर रेफर

खंडवा। महामदी मस्जिद पटेल नगर के इमाम मोहम्मद हाफिज उजैफा उम्र 23 वर्ष और मोहम्मद तलाह को दो अलग-अलग जगह पर अज्ञात हमलावरों ने किया तेजधार हथियार से हमला, खंडवा के अंजनी टॉकीज एवं शाह फर्नीचर के सामने बाइक से आ रहे इमाम पर कुछ पैदल आ रहे युवकों ने अचानक हमला कर दिया और उनके पेट में चाकू घोंप दिया, वहीं कुछ आगे चलकर उन अज्ञात हमलावरों ने 17 वर्षीय मोहम्मद तलाह की आंखों में मिर्ची झोंक कर बुरी तरह से मारपीट की और भाग निकले। इस घटना के पश्चात सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज के युवक एवं बुजुर्ग थाना पदम नगर पहुंचे जहां वह धरने पर बैठ गए और अपराधियों को पकड़ने की एवं उनके मकानों को ज़मींदोज़ करने की मांग करने लगे जहां सीएसपी पूनम चंद यादव ने पूरी

भीड़ को समझाइश दी और विश्वास दिलाया कि अपराधी ज्यादा समय तक कानून से बच नहीं सकता जल्द से जल्द उसे पकड़ा जाएगा। वही दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय की सर्जिकल वार्ड में भी सैकड़ों की तादाद में जमा हुए मुस्लिम समाज के युवाओं के अंदर अच्छा खासा आक्रोश बना हुआ था गुस्से में आकर युवाओं ने लिफ्ट संकेतन मिरर तोड़ दिया जहां कोतवाली टीआई श्री राठौर ने व्यवस्थाओं को संभाला, वर्तमान में जिला चिकित्सालय में भर्ती इमाम की हालत खतरे से बाहर बताई गई है वही मोहम्मद तलाह यह गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञों ने नाबालिक मोहम्मद तलाह को इंदौर किया रेफर।

भोपाल। 13 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चल रहे लैब टेक्नीशियन व अन्य कर्मचारियों ने आज प्रदर्शन किया।

भोपाल। भाजपा की विकास यात्रा का विनाश यात्रा बताते हुए एनएसयूआई ने प्रदर्शन किया एवं धरना दिया।

भावी मुख्यमंत्री' अभियान पर अपनों का ग्रहण

दिनेश निगम 'त्यागी'

इसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की कार्यशैली का नतीजा माने या वजह कुछ और हो, लेकिन कांग्रेस के 'भावी मुख्यमंत्री' अभियान को अपने ही ग्रहण लगा रहे हैं। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर इसे पूरे प्रदेश में शुरू किया गया था। इसके तहत भोपाल के साथ लगभग हर जिले में 'अगली सरकार, कमलनाथ सरकार' के नारे के साथ कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री बताते हुए पोस्टर-बैनर लगाए गए थे।

अभियान को पहली बत्ती कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल ने यह कह कर दी कि पार्टी में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का नाम घोषित करने की परंपरा नहीं है। प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह बराबरी के वरिष्ठ नेता हैं। इनमें से किसी को छोटा-बड़ा नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव बाद होगा। अग्रवाल के इस बयान से कांग्रेस के अन्य नेताओं का हौसला बढ़ा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव एवं प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी अग्रवाल की बात को दोहरा कर भावी मुख्यमंत्री अभियान को पलीता लगा दिया। इससे यह साफ हो गया है कि कांग्रेस के अंदर कमलनाथ को चुनौती देने वाले मौजूद हैं। वैसे भी कमलनाथ के साथ अरुण यादव, अजय सिंह की पटरी नहीं बैठ रही। दिग्विजय सिंह के साथ भी उनकी पहले जैसी कैमिस्ट्री नहीं रही।

भाजपा की मुख्य धारा में वापसी कर पाएंगी उमा- पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती के भाजपा के साथ रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। हालात ये हैं कि जब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से उमा के बयानों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इससे भी साफ है कि उमा और भाजपा के बीच सब ठीक नहीं है। उमा बीच-बीच में शिवराज की तारीफ कर यह जताने की कोशिश करती हैं कि रिश्ता अभी टूटा नहीं है। अब यह सच नहीं लगता। शराब को लेकर उमा कई बार सरकार को अल्टीमेटम दे चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि यदि 31 जनवरी तक नई शराब नीति में उनके सुझाव शामिल न किए गए तो जो होगा, इसके लिए सरकार जवाबदार होगी।

इसके बाद 1 और 2 फरवरी की मियाद आई लेकिन शराब नीति अब तक घोषित नहीं हुई। इस बीच उमा लोधी-लोधा समाज के सम्मेलन में कह चुकी हैं कि वे भाजपा के लिए वोट मांगने आएं तो भी आप वोट मत देना। ओरछा में उन्होंने यहां तक कह दिया कि मैंने इस सरकार को बनाने के लिए वोट मांग कर पाप किया है। अब वे गाय को साथ लेकर शराब के खिलाफ संघर्ष की बात कर रही हैं। संकेत साफ है कि उमा का भाजपा के साथ रिश्ता एक बार फिर टूटने की ओर है। इससे भाजपा को नुकसान संभव है। सवाल है कि क्या उमा फिर भाजपा की मुख्य धारा में लौट पाएंगी?

कुछ की बांछे खिलीं, कुछ का ब्लैडप्रेशर हाई- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के काम के अंदाज और उनकी बॉडी लैंग्वेज को देखकर लगता है कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का संकट टल गया है। इतना ही नहीं चर्चा यह भी है कि शिवराज को नेतृत्व की ओर से मंत्रिमंडल में फेरबदल के लिए फ्री हैंड मिल गया है। इस खबर से शिवराज से जुड़े उन आधा दर्जन पूर्व मंत्रियों, विधायकों की बांछे खिल गई हैं जो मानते हैं कि फेरबदल में उनका मंत्री बनना तय है।

इसके विपरीत आधा दर्जन से ज्यादा मंत्री ऐसे भी हैं जिनका ब्लैडप्रेशर हाई है। इन्हें अपनी कुर्सी जाने का खतरा है। इसकी दो वजह हैं। एक, मुख्यमंत्री चौहान का इन्हें मजबूरी में अपने लोगों की कीमत पर मंत्रिमंडल में रखना और दूसरा, परफारमेंस ठीक न होना और लगातार मिल रहीं शिकायतें। यह चर्चा भी लगातार है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक कुछ मंत्रियों को भी हटाया जा सकता है क्योंकि इनकी वजह से मंत्रिमंडल में क्षेत्रीय संतुलन गड़बड़ाया हुआ है। मंत्रिमंडल में फेरबदल कब होगा, यह मुख्यमंत्री के सिवाय कोई नहीं बता सकता लेकिन इस दिशा में कसरत तेज है। मुख्यमंत्री चौहान संगठन के प्रमुख नेताओं से इस संदर्भ में कई दौर की बात कर चुके हैं। विधानसभा चुनाव चूंकि इस साल के अंत में हैं, इस लिहाज से समय ज्यादा नहीं है। लिहाजा, मंत्रिमंडल विस्तार कभी भी हो सकता है।

यह चिटनीस को लांच करने की तैयारी तो नहीं- प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की पिछले दिनों हुई बैठक में इस बार वह हुआ जो आमतौर पर देखने को नहीं मिलता। इससे अटकलें लगाई जाने लगी है कि पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस को नए सिरे से लांच तो नहीं किया जा रहा? और क्या आने वाले समय में उन्हें बड़ी जवाबदारी मिलने वाली है? कार्यसमिति की बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव सबसे महत्वपूर्ण होता है। आमतौर पर इसे पार्टी का कोई वरिष्ठ पदाधिकारी महामंत्री या उपाध्यक्ष ही तैयार कर रखता है। विशेष परिस्थिति में मंत्री को यह दायित्व सौंपा जा सकता है।

अर्चना चिटनीस पार्टी की पदाधिकारी हीं नहीं हैं। वे प्रदेश प्रवक्ता हैं और प्रवक्ता को पदाधिकारी नहीं माना जाता। इसीलिए पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में प्रवक्ताओं को नहीं बुलाया जाता। फिर भी कार्यसमिति की बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव चिटनीस ने रखा। इससे अटकलें लगने लगीं कि चिटनीस को भविष्य में कोई बड़ा दायित्व मिल सकता है। वीडी शर्मा जब प्रदेश अध्यक्ष बने थे तब अर्चना का नाम भी दावेदारों में शुमार था। इसके बाद खंडवा लोकसभा के उप चुनाव के लिए भी वे प्रमुख दावेदार थीं। क्षेत्र में वे सबसे ज्यादा सक्रिय भी थीं लेकिन टिकट किसी और को मिल गया था। दो बार पिछड़ने के बाद भी न अर्चना चिटनीस शांत हैं, न उन्हें प्रमोट करेन वाले उनके समर्थक नेता। यह वाकया इसका प्रमाण है।

दिल्ली जाकर मंत्रियों में सबसे अलग दिखे भार्गव- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जहां भी जाते हैं, अपने एक-एक मिनट का उपयोग करते हैं। दिल्ली यात्रा के दौरान सरकार के वरिष्ठ मंत्री गोपाल भार्गव भी मंत्रियों में अपनी अलग लकीर खींचते नजर आए। 2 फरवरी को मप्र भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में अन्य मंत्रियों के साथ वे भी दिल्ली में थे। लेकिन उन्होंने अपना दौरा इस कार्यक्रम तक ही सीमित नहीं रखा। वे केंद्रीय मंत्रियों नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और भूपेंद्र यादव आदि से भी मिले और प्रदेश की लंबित योजनाओं को लेकर चर्चा की। सांसद शत्रुघन सिंहा से भी उनकी गर्मजोशी के साथ मुलाकात हुई।

साफ है कि गोपाल भार्गव ने मुख्यमंत्री चौहान की तर्ज पर दिल्ली दौरे का उपयोग करने की कोशिश की। इससे उन्हें, उनके क्षेत्र और प्रदेश को फायदा हुआ। भार्गव का यह काम इसलिए लीक से हटकर लगा क्योंकि उनके बारे में आम राय है कि वे नेतृत्व की जी- हुजूरी में भरोसा नहीं करते। प्रदेश और दिल्ली के चक्कर लगाते नहीं दिखते। क्षेत्र के प्रति लगाव के कारण उनकी यात्रा, सक्रियता भोपाल, सागर और गढ़ाकोटा तक ही सीमित रहती है। संभवत- इसके कारण वे अजेय भी हैं। अब तक वे कोई चुनाव नहीं हारे। भार्गव नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं और सरकार के वरिष्ठ मंत्री हैं। क्या उन्हें प्रदेश और देश में अपनी सक्रियता और नहीं बढ़ाना चाहिए?